राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 14 फरवरी 2024 वर्ष–7,अंक–22 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसान आर-पार के मूड में शंभू बॉर्डर पर हालात खराब

-किसानों को रोकने छोड़े अश्रु गैस के गोले

-दिल्ली कूच पर अड़े किसानों को रोकने बॉर्डर सील

-शंभू बॉर्डर पर आंसू गैस का धुंआ और पथराव से हालात हुए भयावह

-किसानों ने सीमेंट बैरिकेड हटाने किया प्रयास

-पुलिस ने किसानों को तितर-बितर करने किया हलका बल प्रयोग, हिरासत में लिए गए किसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न मांगों को लेकर आज मंलवार को किसानों के दिल्ली कूच के कारण राजधानी की सभी बॉर्डर्स को सील कर दिया गया है। देर रात तक केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच चली बैठक बेनतीजा रही है। इसके बाद किसान नेताओं ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिल्ली कूच का आव्हान तमाम किसानों से किया है। इसे देखते हुए गाजीपुर, सिंघु, शंभू, टिकरी समेत तमाम बॉर्डर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। इसी बीच शंभू बॉर्डर से खबर आई कि वहां हालात बिगड़ गए हैं और पुलिस ने किसानों को तितर-बितर करने के लिए ड्रोन के जरिए आंसू गैस के गोले दागे हैं। दूसरी तरफ किसानों ने ट्रेक्टर से सीमेंट के बैरिकेड हटाने का भी प्रयास किया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने हलका बल प्रयोग करते हुए अनेक किसानों को हिरासत में भी लिया है। पुलिस कार्रवाई को होते देख अनेक किसान खेतों में उतर गए और हालात बेकाबू जैसे हो गए।

यहां आपको बतलाते चलें कि पुलिस ने किसान आंदोलन की आड़ में उपद्रवियों द्वारा कानून व्यवस्था पर प्रहार करने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। जहां तक दिल्ली रहवासियों का सवाल है तो आज वाकई दिल्ली एनसीआर में रहने वालों के लिए एक बड़े इम्तिहान का दिन रहा है। दरअसल पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से किसान दिल्ली आने लगे, इस कारण दिल्ली की तमाम सीमाओं को सील किया गया है, जिससे सभी जगह पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। गौरतलब है कि किसान कूच से पहले सोमवार को करीब पांच घंटे तक केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अर्जुन मुंडा के साथ किसान नेताओं की बैठक चली थी। यह बैठक बेनतीजा रही, जिसके बाद किसानों ने दिल्ली कूच के साथ आर-पार की लड़ाई का आव्हान किया है। इसे देखते हुए प्रशासन ने भी गाजीपुर, सिंघु, शंभू, टिकरी समेत दिल्ली से सटी तमाम बॉर्डर्स को छावनी में तब्दील कर दिया। पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया कि यदि किसानों की आड़ में उपद्रवियों ने कानून व्यवस्था पर प्रहार करने की कोशिश की तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार किसानों की मांगें माने : दीपेंद्र हुड्डा

किसानों के दिल्ली कूच पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने बड़ा बयान देते हुए कहा, कि किसानों के साथ हुए समझौते का सरकार को पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा, कि किसानों की एमएसपी वाली मांग वैध है। वहीं दूसरी तरफ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है, कि जहां तक किसानों की मांगों का सवाल है तो केंद्र सरकार को फौरन ही किसानों से वार्ता करनी चाहिए और उनकी मांगों को मानना चाहिए।

पंजाब कांग्रेस ने किसानों को दिया समर्थन

पंजाब कांग्रेस ने आंदोलनकारी किसानों का समर्थन करते हुए पीड़ित होने वाले किसानों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए एक नंबर भी जारी कर दिया है। इसके साथ ही पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग ने कहा, कि 1967 में एमएसपी लाने वाली इंदिरा गांधी और कांग्रेस सरकार ही थी। किसानों का 72 हजार करोड़ रुपये का ऋण भी हमीं ने माफ किया था। तब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह थे। उन्होंने आगे कहा है कि हमने कभी किसी किसान के ऊपर मुकदमा नहीं किया।

किसानों के हितों की रक्षा के लिए हम बाध्य हैं : अर्जुन मुंडा

किसानों के दिल्ली कूच पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा का कहना था कि किसानों की कुछ मांगों पर फैसला लेने से पहले हमें राज्यों के साथ चर्चा करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि चर्चा करने के लिए मंच तैयार करने और समाधान खोजने की आवश्यकता है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि भारत सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए बाध्य है, ...आमजन को असुविधा नहीं होनी चाहिए। यह भी किसान संघ को समझने की आवश्यकता है।

ट्रैक्टरों से हटाए सीमेंट के बैरिकेड तो पुलिस ने दागे अश्रु गैस के गोल

शंभू बॉर्डर पर किसानों ने ट्रैक्टरों से सीमेंट के बैरिकेड हटाने की कोशिश की है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए अश्रु गैस के गोले दागे और हलका बल प्रयोग किया है। किसानों को तितर-बितर करने ड्रोन से दागे गए आंसू गैस के गोलों के बीच बड़ी संख्या में किसान मार्ग से लगे खेतों में घुस गए और यहां- वहां भागते नजर आए हैं। इसके फौरन बाद एक बार फिर हरियाणा-पंजाब की शंभू सीमा पार करने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों ने ट्रैक्टरों से सीमेंट बैरिकेड्स हटा दिया। इसे देखते हुए शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने दोबारा आंसू गैस के गोले दागे हैं। बताया गया कि शंभू बॉर्डर पर हालात खराब हो गए, यहां छिटपुट हिंसा के बीच गोली चलने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने अनेक किसानों को हिरासत में भी लिया है। इसी बीच किसानों के समर्थन में अनेक नेताओं ने बयान जारी कर सरकार से किसानों से जायज मांगें पूरी करने की बात कही है। इसी बीच शंभू बॉर्डर पर कुछ शरारती तत्वों द्वारा पुलिस पर पथराव करने की भी सूचना निकल कर आई है। दावा किया जा रहा है कि किसानों की आड़ में शरारती तत्व भीड़ में घुस कर इस प्रकार की हरकत कर रहे हैं, ताकि माहौल को बिगाड़ा जा सके। इससे शंभू बॉर्डर के हालात तनावपूर्ण हो गए। शंभू बॉर्डर पर जमा भीड़ को पहले तो पुलिस ने समझाने और वापस जाने के लिए कहा, लेकिन जब वे नहीं माने तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए उन्हें खदेड़ दिया।

राजस्थान में धर्मांतरण पर कारवाई करेगी भजनलाल सरकार

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में एक होटल में चल रहे धर्मांतरण पर पुलिस की छापेमारी के बाद दो आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि चंडीगढ़ से धर्मांतरण का ये खेल चल रहा है। यहां मास्टरमाइंड प्रोफेट बिजेंद्र सिंह दीक्षा दे रहा था। दावा है कि अब तक वह 4200 का धर्मांतरण करा चुका है। अब इस पर राजस्थान में धर्मांतरण पर कारवाई करेगी भजनलाल सरकार। भरतपुर में एक होटल में चल रहे धर्मांतरण का खेल हैरान करने वाला है। अगर वीएचपी के संदीप कुमार गुप्ता सोनार हवेली नहीं पहुंचते तो इस धर्मांतरण की सभा का खुलासा नहीं होता।

जब इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी से यात्रियों और केबिन क्रू मेंबरों में मचा हड़कंप

मुंबई। मंगलवार सुबह चेन्नई से मुंबई आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5188 में आसमान में धमकी भरा पत्र मिलने से जमीन से लेकर आसमान तक हड़कंप मच गया। इस पत्र के बाद विमान को मुंबई हवाई अड्डे पर उतरते ही तलाशी ली गई लेकिन जब कोई संदिग्ध चीज नहीं मिला तब सभी ने राहत की सांस ली। मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो कंपनी की फ्लाइट 6ई-5188 ने मंगलवार सुबह चेन्नई से मुंबई के लिए उड़ान भरी थी. जब विमान मुंबई से करीब 40 किलोमीटर दूर था तो विमान के शौचालय में कर्मचारी को एक नोट मिला. नोट में लिखा था, अगर तुम मुंबई आओगे तो सब मर जाएंगे। यह धमकी एक टिशू पेपर पर लिखी हुई थी. इस धमकी से घबराकर यात्री और कर्मचारी भाग खड़े हुए. जब केबिन क्रू की नजर इस पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत पायलट को इसकी जानकारी दी। विमान के कैप्टन ने तुरंत इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी. इस बीच जैसे ही विमान मुंबई में उतरा, पूरे विमान और यात्रियों की तलाशी ली गई. मुंबई पुलिस ने खुलासा किया कि जांच के दौरान विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला. जिसके बाद सभी ने राहत की सांस ली. इस मामले में मुंबई पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है.

अब संयुक्त अरब अमीरात में भी चलेगा यूपीआई और रुपे कार्ड, पीएम मोदी-राष्ट्रपति शेख बिन जायद ने की सर्विस की शुरुआत

नई दिल्ली । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने 13 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और रुपे कार्ड सेवाओं की शुरुआत की। रुपे कार्ड एक भारतीय बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा और भुगतान सेवा प्रणाली है। यूनिफ़ाइड पेमेंट इंटरफ़ेस, जिसे आमतौर पर यूपीआई कहा जाता है, एक भारतीय त्वरित भुगतान प्रणाली है। यूएई में यूपीआई और रुपे कार्ड सेवाएं शुरू करने से पहले पीएम मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद ने एक द्विपक्षीय बैठक की और उनकी उपस्थिति में कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विनय क्वात्रा द्विपक्षीय वार्ता में भाग लेने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

'व्यवस्था' से केवल कुछ लोगों को ही फायदा हो रहा: राहुल गांधी

उदयपुर (सरगुजा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि देश में केवल कुछ ही लोगों को 'व्यवस्था' से फायदा हो रहा है जबकि दूसरे लोग करों का भुगतान कर रहे और भूख से उनकी जान जा रही है। अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के उदयपुर में रामगढ़ चौक पर एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि अगर लोग किसी चीज के खिलाफ आवाज उठाते हैं तो उन्हें ईडी, सीबीआई और आईटी की कार्रवाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने दावा किया कि हिंसा हो रही है और नफरत फैलाई जा रही है क्योंकि देश में चौबीसों घंटे लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह इस हद तक हो चुका है कि लोग इसके आदी हो गए हैं और अब उन्हें इसका अहसास भी नहीं है। गांधी ने कहा, 'आपको (लोगों को) दिन में तीन बार खुद से एक सवाल जरूर पूछना चाहिए कि आपको हर दिन देश के कोष से कितना पैसा मिल रहा है? आपके दिन भर के संघर्ष और प्रयासों के बाद आपको कितना रिटर्न मिल रहा है? 10 दिनों में आपको पता चल जाएगा कि एक सिस्टम आपको धोखा दे रहा है और प्रधानमंत्री इसके शीर्ष पर हैं।' उन्होंने कहा, 'उस व्यवस्था में पिछड़े, दलित और आदिवासी तथा सामान्य वर्ग के गरीबों की 73 प्रतिशत आबादी में से कोई भी व्यक्ति नहीं है। उस व्यवस्था में 100-200 से लेकर 1000-2000 को फायदा हो रहा है और बाकी लोग सिर्फ देख रहे हैं, भूख से मर रहे हैं और जीएसटी का भुगतान कर रहे हैं।'

जमीयत का एलान सूर्य नमस्कार का बहिष्कार करे मुस्लिम समुदाय

नई दिल्ली । राजस्थान सरकार द्वारा स्कूलों में विशेषकर 15 फरवरी को सूर्य सप्तमी के अवसर पर सभी स्कूलों में सूर्य नमस्कार अनिवार्य करने का निर्देश जारी किया गया था। इसी संदर्भ में जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी के निर्देश पर जमीयत उलेमा राजस्थान की राज्य कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में सूर्य नमस्कार पर प्रस्ताव जमीयत उलमा राजस्थान के महासचिव मौलाना अब्दुल वाहिद खत्री ने पेश किया। बैठक में पारित प्रस्ताव के माध्यम से स्कूलों में सूर्य सप्तमी के उपलक्ष्य में समस्त विद्यालयों में विद्यार्थियों, अभिभावकों व अन्य लोगों से सामूहिक सूर्य नमस्कार के सरकारी आदेश की निन्दा करते हुये इसे धार्मिक मामलों में खुला हस्तक्षेप और संविधान में दी गई धार्मिक स्वतंत्रता और न्यायालयों के आदेशों की स्पष्ट अवहेलना बताया गया। इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि वे दिनांक 15 फरवरी को विद्यार्थियों को स्कूल में न भेजे और इस समारोह का बहिष्कार करें। इस बीच, जमीयत उलेमा-ए-हिंद सहित अन्य मुस्लिम संगठनों द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय में एक संयुक्त याचिका दायर की गई है, जिसमें 15 फरवरी के कार्यक्रम को रद्द करने और स्कूलों में सूर्य नमस्कार को अनिवार्य करने के फैसले पर रोक की मांग की गई है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा महासचिव पद से दिया इस्तीफा, अखिलेश यादव को लिखा भावुक पत्र

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को पार्टी के महासचिव पद से अपना इस्तीफा दे दिया। हालाँकि, 70 वर्षीय नेता पार्टी के सदस्य बने रहेंगे। उन्होंने अपने फैसले के बारे में सपा मुखिया अखिलेश यादव को पत्र लिखा और अपने इस्तीफे से अवगत कराया. इस बीच, मौर्य ने यह भी कहा कि वह पद के बिना भी पार्टी को मजबूत करने का प्रयास करते रहेंगे। अपने त्याग पत्र में, मौर्य ने खुलासा किया कि उन्होंने अखिलेश यादव को 'रथ यात्रा' का विचार प्रस्तावित किया था, जिसका उद्देश्य जाति-आधारित जनगणना की वकालत करना, आरक्षण की रक्षा करना, बेरोजगारी के मुद्दों को संबोधित करना और संविधान की रक्षा करना था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका इरादा ऐसी पहलों के माध्यम से पार्टी के लिए समर्थन बढ़ाना था।

कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस के कद्दावर नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शमिल हो गये। महाराष्ट्र में कांग्रेस को लगातार झटके लग रहे हैं। इसके पहले दो दिग्गज नेताओं बाबा सिद्दीकी और मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था। श्री चव्हाण ने कल कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री का आज यहां एक सादे समारोह में भाजपा में स्वागत किया गया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार और अन्य पार्टी नेता उपस्थित थे। श्री चव्हाण ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं आज भाजपा में शामिल हो गया। मैं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और अन्य के प्रति आभारी हूं।'' इस मौके पर श्री फड़नवीस ने कहा कि यह खुशी की बात है कि महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल हो गये। श्री चव्हाण विधायक, लोकसभा सांसद और दो बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि श्री चव्हाण महाराष्ट्र में राज्यसभा के आगामी द्विवार्षिक चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवार नामित किये जा सकते हैं।

आध्यात्मिक पथ के अनुसरण के दौरान आधुनिक विकास को अपनाने की आवश्यकता: राष्ट्रपति मुर्मू

वलसाड(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि यदि हम अपने मूल स?वभाव की ओर जाएं, तो आज विश्व में व्याप्त अनेक समस्याओं के समाधान प्राप्त किया जा सकता है और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलते हुए आधुनिक विकास को अपनाया जाना चाहिए।

गुजरात के वलसाड जिले में जैन धर्म से जुड़े आध्यात्मिक केंद्र श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि आज ज्यादातर लोग भौतिक सुख और संपत्ति पाने की ऐसी दौड़ में लगे हैं जिसका कोई सुखद अंत नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा, ''वे भूल गए हैं कि उन्हें जीवन में वास्तव में क्या चाहिए। हम अपनी आध्यात्मिक संपदा को धीरे-धीरे विस्मृत करते जा रहे हैं। हमें स्मरण रखना चाहिए कि धनोपार्जन के साथ-साथ मानसिक शांति, समभाव, संयम और सदाचार भी अत्यन्त आवश्यक है।'

राष्ट्रपति ने कहा, 'यदि हम अपने मूल स्वभाव की ओर जाएं, तो आज विश्व में व्याप्त अनेक समस्याओं के समाधान प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन, इसका यह तात्पर्य नहीं है कि हम आधुनिक विकास को त्याग दें। इसका अर्थ है कि हम आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलते हुए आधुनिक विकास को अपनाएं।'

उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को सिखाया है कि एक व्यक्ति को दूसरे से अलग करना संकीर्णता का प्रतीक है।

मुर्मू ने कहा, 'उदार जीवन जीने वाले लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार है। सत्य, अहिंसा, तपस्या और उपवास देश के हर हिस्से में व्याप्त है। भारत आंतरिक शांति की तलाश करने वाला और आध्यात्मिक विभूतियों का देश है और ऐसा ही एक व्यक्तित्व (जैन धर्म के) 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर हैं।' उन्होंने कहा, 'भगवान महावीर के जीवन का प्रत्येक क्षण मानव जाति के कल्याण के लिए समर्पित था। यदि कोई व्यक्ति उनके दिखाए मार्ग पर चलने में सक्षम है, तो आत्म-ज्ञान निश्चित रूप से संभव है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नीतीश पर विश्वास

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विश्वास मत जीतकर फिर एक बार अपनी सरकार का बहुमत साबित कर दिया। विगत कुछ दिनों से नाना प्रकार के कयास लगाए जा रहे थे, उन सबका पटाक्षेप हो गया है। लगभग हरेक दल के विधायक संदेह के घेरे में थे। अविश्वास का ऐसा माहौल बन गया था कि लगभग सभी पार्टियां अपने-अपने विधायकों की निष्ठा को लेकर आशंकित हो गई थीं। वैसे ज्यादा संभावना यही थी कि नीतीश कुमार विश्वास मत जीत लेंगे। सदन में जल्दी ही विपक्षियों को भी एहसास हो गया कि वे संख्या बल में पिछड़ गए हैं। विपक्ष की अनुपस्थिति में एनडीए ने सबसे पहले ध्वनि मत से अपना बहुमत साबित किया। हालांकि, बाद में प्रत्यक्ष मतदान की मांग हुई और सरकार के पक्ष में 129 वोट पड़े, जबकि विपक्ष ने मतदान में भाग ही नहीं लिया। दोनों तरफ से ही आरोपों की झड़ी लगी रही। किसी ने नैतिकता की दुहाई दी, तो किसी ने अपने विरोधी पर कमाने का आरोप लगाया और अंतत- बाजी सत्ता पक्ष के हाथ लगी। विधानसभा में बीस साल पहले के समय को भी फिर याद किया गया, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सरकारों पर भी आरोप लगे। बेशक, अब बिहार के लिए आगे बढ़ने का समय है। क्या राजनीति आरोपों से आगे बढ़ेगी? क्या भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई होगी? इस बात से भला कौन इनकार करेगा कि बिहार की राजनीति में निष्ठा और नैतिकता को स्थिरता मिलनी चाहिए। यह बहुत अच्छी बात है कि विभिन्न दलों के बीच जिस तरह से पाला बदल होने की आशंका थी, वह नहीं हो सकी। राजद और जनता दल यू में दो-तीन विधायकों का इधर-उधर होना कोई विशेष चिंता की बात नहीं है। इसमें कोई शक ही नहीं है कि नीतीश कुमार की सरकार संख्या बल में और शक्तिशाली होकर सामने आई है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में स्पष्ट कहा है कि वह अपनी पुरानी जगह और गठबंधन में वापस आ गए हैं और उसे कभी नहीं छोड़ेंगे। हालांकि, राजनीति में संभावनाओं का कभी अंत नहीं होता, फिर भी कम पाला बदलने से नेता और राज्य की भी प्रतिष्ठा को बल मिलता है। 'इंडिया ब्लॉक' को लेकर नीतीश कुमार का दुख एक बार फिर उभर आया, तो स्वाभाविक ही है। वाकई, उन्होंने महा विपक्षी गठबंधन के लिए खूब प्रयास किए थे, पर जब उस गठबंधन में उनकी ही उपेक्षा शुरू होने लगी, तब उन्हें एनडीए में लौटने में ही अपना व्यापक हित दिखा। वह एक सर्व-स्वीकार्य राजनेता के रूप में बिहार में तमाम राजनीतिक दलों के लिए भी एक ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जिनके सहारे विगत दो दशक में बिहार की सत्ता खड़ी होती आई है। ध्यान देने की बात है कि बिहार में जो सत्ता परिवर्तन हुआ है, उसमें नेताओं का रुख भी अपेक्षाकृत ज्यादा समझदारी भरा रहा है। गठबंधन टूटने के बावजूद तेजस्वी यादव को अच्छी तरह पता है कि भविष्य में गठबंधन की जरूरत फिर पड़ सकती है, इसलिए उनके तेवर पिछली बार की तरह तल्ख नहीं थे। पहले एकाधिक अवसर ऐसे आए हैं, जब बिहार में अनेक नेताओं ने एक-दूसरे के लिए बहुत कटु शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसे तमाम नेताओं के लिए बिहार आज एक सबक बनकर सामने है कि किसी के बारे में इतना बुरा मत बोलो कि जरूरत पड़ने पर तुम्हारे लिए दरवाजे बंद हो जाएं। दूसरी बात, बिहार में लोग अब काम और रोजगार देखने के लिए ज्यादा लालायित हैं, ऐसे में, विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

राग रंग और उत्सव का पर्व है बसन्त पंचमी

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

(14 फरवरी बसन्त पंचमी पर विशेष)

भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये वसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा जी ने सरस्वती जी की रचना की थी। इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है।

वसंत शब्द का अर्थ है बसंत और पंचमी का पांचवें दिन। इसलिये माघ महीने में जब वसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवे दिन यानी पंचमी को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती जिन्हें विद्या, संगीत और कला की देवी कहा जाता है। है। उनका अवतरण इसी दिन हुआ था और यही कारण है कि भक्त इस शुभ दिन पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा करते हैं। साथ ही इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है। बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को अर्पित ज्ञान का महापर्व है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। मां सरस्वती का प्रिय रंग पीला है। इसलिए उनकी मूर्तियों को पीले वस्त्र, फूल पहनाए जाते हैं। देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मा सरस्वती कि वंदना मंत्र का उच्चारण कर उनकी पूजा करते हैं।

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवै: सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती नि:शेषजाड्यापहा॥

माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। सरसों के फूलों से भरे खेत पीले दिखाई देते हैं। अत: राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसन्त पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। ऋग्वेद में सरस्वती देवी के असीम प्रभाव व महिमा का वर्णन है। मां सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है। वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं।

बसन्त पंचमी का दिन भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार समशीतोष्ण वातावरण के प्रारंभ होने का संकेत है। मकर सक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण प्रस्थान के बाद शरद ऋतु की समाप्ति होती है। हालांकि विश्व में बदलते मौसम ने मौसम चक्र को बिगाड़ दिया है। पर सूर्य के अनुसार होने वाले परिवर्तनों का उस पर कोई प्रभाव नहीं है। हमारी संस्कृति के अनुसार पर्वों का विभाजन मौसम के अनुसार ही होता है। इन पर्वो पर मन में उत्पन्न होने वाला उत्साह स्वप्रेरित होता है। सर्दी के बाद गर्मी और उसके बाद बरसात फिर सर्दी का बदलता क्रम देह में बदलाव के साथ ही प्रसन्नता प्रदान करता है। चूंकि बसन्त पंचमी का पर्व इतने शुभ समय में पड़ता है। अत: इस पर्व का स्वत: ही आध्यात्मिक, धार्मिक, वैदिक आदि सभी दृष्टियों से अति विशिष्ट महत्व परिलक्षित होता है। प्राचीन कथाओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने विष्णु जी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह अपनी बनाई हुई सृष्टि को देखने के लिए धरती पर भ्रमण करने के लिए आए। ब्रह्मा जी को अपनी बनाई सृष्टि में कुछ कमी का अहसास हो रहा था। लेकिन वह समझ नहीं पा रहे थे कि किस बात की कमी है। उन्हें पशु-पक्षी, मनुष्य तथा पेड़-पौधे सभी चुप दिखाई दे रहे थे। तब उन्हें आभास हुआ कि क्या कमी है। वह सोचने लगे कि एसा क्या किया जाए कि सभी बोले और खुशी में झूमे। ऐसा विचार करते हुए ब्रह्मा जी ने अपने कमण्डल से जल लेकर कमल पुष्पों तथा धरती पर छिडका। जल छिडकने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे। एक हाथ में वीणा, दूसरे हाथ में कमल, तीसरे हाथ में माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी। ब्रह्मा जी ने देवी को वरदान दिया कि तुम सभी प्राणियों के कण्ठ में निवास करोगी। सभी के अंदर चेतना भरोगी, जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वता के बल पर समाज में पूज्यनीय होगा। ब्रह्मा जी ने कहा कि तुम्हें संसार में देवी सरस्वती के नाम से जाना जाएगा। कडकड़ाती ठंड के बाद बसंत ऋतु में प्रकृति की छटा देखते ही बनती है। पलाश के लाल फूल, आम के पेड़ों पर आए बौर, हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को सुहाना बना देती है। यह ऋतु सेहत की दृष्टि से भी बहुत अच्छी मानी जाती है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। देश के कई स्थानो पर पवित्र नदियों के तट और तीर्थ स्थानों पर बसंत मेला भी लगता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में तो बसंत पंचमी के दिन से ही लोग समूह में एकत्रित होकर रात में चंग ढफ बजाकर धमाल गाकर होली के पर्व का शुभारम्भ करते है।

बसन्त पंचमी के दिन विद्यालयों में भी देवी सरस्वती की आराधना की जाती है। भारत के पूर्वी प्रांतों में घरों में भी विद्या की देवी सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की जाती है और वसन्त पंचमी के दिन उनकी पूजा की जाती है। उसके बाद अगले दिन मूर्ति को नदी, तालाब में विसर्जित कर दिया जाता है। देवी सरस्वती को ज्ञान, कला, बुद्धि, गायन-वादन की अधिष्ठात्री माना जाता है। इसलिए इस दिन विद्यार्थी, लेखक और कलाकार देवी सरस्वती की उपासना करते हैं। विद्यार्थी अपनी किताबें, लेखक अपनी कलम और कलाकार अपने संगीत उपकरणो और बाकी चीजें मां सरस्वती के सामने रखकर पूजा करते हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

वेलेंटाइन डे! युवा पीढ़ी वास्तविकता को समझें

(लेखक-विजय कुमार जैन)

हम भारत की प्राचीन संस्कृति एवं संस्कारों को अंग्रेजों की दूषित संस्कृति एवं संस्कारों के प्रभाव से भूल गये है। अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बना कर एक के बाद एक संस्कारों पर कुठाराघात किया। उन्होंने लम्बे समय तक भारत को गुलाम बनाये रखने एवं वेरोकटोक राज करने की योजना देश के युवकों को पथभ्रष्ट करने की बनायी। भारत में गुरुकुल शिक्षा पद्धति को समाप्त करने कांवेन्ट शिक्षा का जाल फैलाया।भारत में सहशिक्षा प्रारंभ करने अंग्रेजों ने सबसे पहले मुंबई, कलकत्ता और मद्रास में विश्व विद्यालय खोले। शिक्षा पद्धति में परिवर्तन कर अंग्रेजों ने युवापीढ़ी को संस्कार हीन बनाने की शुरुआत की।आज की युवा पीढ़ी में अनेक विकृतियां आ गई हैं, उनमें ही एक कुप्रथा वेलेंटाइन डे या प्रेम प्रसंग दिवस है।पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर भारत में भी 14 फरवरी को हर वर्ष अविवाहित युवक-युवती वेलेंटाइन डे जोर शोर से मनाते हैं। इस दिवस को हिन्दी में प्रेम प्रसंग दिवस कहते हैं। प्रेम, प्यार, स्नेह, ममता गले मिले बिना जीवन अधूरा है।प्यार का मतलब वासना समझना और पूर्ति के लिये नि:स्वार्थ प्रेम को तिलांजलि देना जीवन को धूल बनाना है। पाश्चात्य संस्कृति और भारतीय संस्कृति में मूल अंतर है। पाश्चात्य संस्कृति जीवन का उद्देश्य मात्र भौतिक सुख को पाना मानती है। जब तक स्त्री सांसारिक सुख दे तब तक साथ रखो, फिर बदल दो। जबकि भारतीय संस्कृति मानव जीवन का उद्देश्य चार पुरुषार्थ को पूर्ण करना मानती है। ये चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष बताये हैं।

दिगम्बर जैन आचार्य संत शिरोमणि विद्या सागर जी महाराज एवं उनके परम प्रिय शिष्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद से ऐलक धैर्य सागर जी के संयोजन में लव केमिस्ट्री पुस्तक का प्रकाशन हुआ है। पुस्तक में विस्तार से उल्लेख किया है वेलेंटाइन डे या प्रेम प्रसंग दिवस की पाश्चात्य परंपरा कैसे प्रारंभ हुई। आज से लगभग 1600 वर्ष पूर्व रोम में वेलेंटाइन नाम के संत हुए जिन्होंने स्त्रियों के दुखी होकर उन्हें पुरुष की दासता से बचाने, प्यार को वासना की गुलामियों से मुक्ति का अभियान चलाया, उन्होंने भारतीय साहित्य पढ़कर भारतीय संस्कृति के संस्कारों का प्रचार शुरू किया। भारतीय जीवन शैली की महत्ता को स्थापित करते हुए प्यार को अमर बनाने बाली विवाह पद्धति के अनुसार हजारों युवक-युवतियों को जो आपस में प्यार करने के नाम पर शारीरक वासना में लिप्त थे, उन्हें जीवन भर साथ रहने का संकल्प कराया।उनका विवाह करवाया। इस तरह उनके नैतिक आचार विचार से प्यार या लव वासना के दल दल अथवा कीचड़ में गिरकर गंदा होने से बच गया था। और जीवन सच्चे प्यार सुखी दाम्पत्य जीवन की सुगंध से महक उठा। रोम के क्रूर अत्याचारी राजा फ्लोडियस को महान संत वेलेंटाइन का यह समाज सुधारक पवित्र कार्य अच्छा नहीं लगा राजा ने वेलेंटाइन को 14 फरवरी सन 498 को फांसी पर चढ़ा दिया। उन हजारों लोगों, वैवाहिक जोड़ों जिनके जीवन में संत वेलेंटाइन की प्रेरणा और सद्प्रयास से समय से दाम्पत्य जीवन में खुशी आई थी,उन्होंने ने अपने अमर प्रेम की सौगात मानकर 14 फरवरी को प्रतिवर्ष उस महान आत्मा को याद करने लगे और यह दिवस को वेलेंटाइन डे बन गया। आज हम वेलेंटाइन डे मनाने के वर्तमान रीति रिवाजों की समीक्षा करें तो पाते है जिस महान संत वेलेंटाइन ने रोम में भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अनुशरण कर वैवाहिक पद्धति अपनाने के लिये लाखों युवक-युवतियों को प्रेरित किया।उसी संत के पावन स्मृति दिवस को उन लोगों ने उस दिन का नाम वेलेंटाइन डे दिया। ताकि हर वर्ष उस संत को उसके महान समाज सुधारक कार्य के लिये याद किया जाये। मगर हम देख रहे हैं वेलेंटाइन डे को दुनिया के युवक -युवतियों ने अपने प्यार को मात्र वासना की पूर्ति के लिये 14 फरवरी को प्रेम प्रसंग दिवस बना दिया है। दुनिया के युवक युवतियों का अनुशरण भारत में भी युवा पीढ़ी ने जोर शोर से किया है। 14 फरवरी तो विशेष दिन है। आये दिन बड़े नगरों में नगर निगम नगर पालिका ने बड़े बड़े उद्यान अथवा पार्क आम नागरिकों के लिये विकसित किये हैं, उन पर प्रेमी युगलों ने कब्जा कर लिया ह। वे अपने प्यार के नाम पर वासना की पूर्ति के लिये स्वच्छंद रूप से इन स्थानों पर जाते हैं। प्रेमी युगलों के प्रेमालाप के कारण आम नागरिक इन स्थानों पर नहीं जाते हैं। अगर कोई सैर सपाटा करने इन पार्कों में पहुंच भी जाता है तो प्रेमी अपने प्रेमालाप में दखल मानकर उन्हें अपमानित कर बाहर का रास्ता दिखा देते हैं। एक ओर पाश्चात्य जगत भारतीय संस्कृति अपनाकर सभ्यता और उच्च मानवीय मूल्यों के आदर्शों को स्थापित कर रहा है।और दूसरी ओर भारतीय लोग पाश्चात्य भोग विलास के आकर्षण में फंसकर सामाजिक नैतिक मूल्यों को समाप्त कर जीवन में अशांति और मानसिक तनाव उत्पन्न कर रहे है। भारतीय माता- पिता अपने कुल संस्कारों के अनुसार बेटी का विवाह करते हैं, जिससे बेटी प्यार,सम्मान, सुख,पवित्रता,शांति को प्राप्त सके,किन्तु पश्चिमी देशों ने अपने धार्मिक साम्राज्य स्थापना की चाह में भोगवादी अपसंस्कृति की चकाचौंध देकर भारतीय चिंतन को विकृत कर दिया है। भारतीय जीवन मूल्यों को पतनोन्मुखी बना दिया है। लव बनाम वासना का गुलाम बना दिया है। प्राचीन काल में गुरुकुल शिक्षा पद्धति थी, लड़के एवं लड़की अलग अलग गुरुकुल में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। अंग्रेजों ने भारत पर लम्बे समय तक अपना साम्राज्य स्थापित रखने सबसे पहले प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों कोनष्ट करने योजनाबद्ध अभियान चलाया। इसी कार्य योजना अनुसार भारत में सहशिक्षा प्रारंभ की। सहशिक्षा का ही दुष्परिणाम है युवक-युवती समीप आ रहे हैं और वेलेंटाइन डे मनाने जैसे घ्रणित कार्य

कर रहे हैं।

(नोट:-लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।)

विचार मंथन

फटाका फैक्ट्री में विस्फोट, 5 तीव्रता के बराबर भूकंप

(लेखक-सनत जैन)

मध्य प्रदेश के हरदा में फटाका फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। इस फैक्ट्री में सुतली बम बनाए जा रहे थे। सुतली बम की मांग फेक्ट्री में इतनी ज्यादा थी, कि जिस तरह बीड़ी बनाने वाले मजदूरों को बिड़ी निर्माता तेंदूपत्ता, तंबाकू और धागा देकर घरों घर बीडी बनवाते हैं। वैसा ही फटाका फैक्ट्री का मालिक कर रहा था। वह सुतली और बारूद देकर घर-घर से बम बनवा के मंगवाता था। बम बनाने की उन्हें मजदूरी दिया करता था। दुर्घटना के बाद अभी भी फैक्ट्री के आसपास भारी मात्रा में बमों का जखीरा लावारिस हालत में खुले में पड़ा हुआ मिल रहा है। जब इस फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। आसपास के घरों की दीवारों में क्रैक आ गए। 2 किलोमीटर तक के मकान में इसका असर देखा गया। दुर्घटना की जांच करने के लिए जो एक्सपर्ट यहां गए। उन्होंने जांच करने के बाद बताया, फैक्ट्री से ढाई किलोमीटर की दूरी तक के मकानो में दरार आई है। दरार की जांच करने के बाद एक्सपर्ट ने बताया, फैक्ट्री में विस्फोट होने के बाद 300 डिसमिल का धमाका हुआ है। यदि भूकंप की तीव्रता 5 होती है, तब मकान में इस तरह की दरारें देखने को मिलती हैं। हरदा विस्फोट की जांच करने गए, एक्सपर्ट द्वारा बताया गया, गाजा पट्टी और इजरायल के बीच में जो युद्ध चल रहा है। उसमें जो टीएनटी बमों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसकी तीव्रता 210 डिसमिल की होती है। हरदा की फैक्ट्री में जो विस्फोट हुआ है। उससे ढाई किलोमीटर तक की जमीन पर कंपन पैदा हुआ है। विशेषज्ञों ने सरकार को सुझाव दिया है, कि जिस स्थान पर विस्फोट हुआ है।उसके पास नदी बह रही है। इसका असर नदी के बहाव पर पड़ सकता है।भूमि के अंदर भी क्रैक आने की संभावनाएं बनी है। जांच कर रहे विशेषज्ञों ने कहा है,कि विस्फोट के समय जो व्यक्ति इस फैक्ट्री के अंदर होंगे। उनके अवशेष मिलने की भी संभावना नहीं है। विशेषज्ञों का कहना था, 1200 डिग्री सेल्सियस पर बायो बेस्ट को नष्ट किया जाता है। जिसमें राख के सिवाय कुछ नहीं मिलता है। पटाखा फैक्ट्री में जो विस्फोट हुआ है। वह 1500 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा का है। जिसके कारण मृतकों के अवशेष का पता लगाना असंभव है। फटाका फैक्ट्री में इतने बड़े पैमाने पर बमों को स्टाक करके रखा गया था। एक ही स्थान पर इतने सारे बमों को संग्रहित करके रखे जाने के कारण, जब इसमें विस्फोट हुआ। तो वह युद्ध में उपयोग आने वाले बमों से भी ज्यादा खतरनाक साबित हुए। जिला प्रशासन और विस्फोटक का लाइसेंस देने वाले विभाग द्वारा फैक्ट्री की जांच में इतने बड़े पैमाने पर हो रही गड़बड़ी की जांच नहीं कर पाये, यह गैर जिम्मेदारी और चिंता का विषय है। कई वर्षों से इस फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा था। जिला प्रशासन ने एक के बाद एक 12 लाइसेंस जारी कर दिए। इसके पहले भी इसी फैक्ट्री में हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। न्यायालय द्वारा आरोपी को सजा भी सुनाई गई थी। उसके बाद भी इस पर कोई रोक नहीं लगाई गई। शासन और प्रशासन द्वारा बनाए गए, सारे नियम, कानून का उल्लंघन होता रहा। रिश्वतखोरी और सरकारी संरक्षण का इससे बड़ा कोई बेहूदा उदाहरण नहीं हो सकता है। हरदा की फटाका फैक्ट्री में यह सब देखने को मिला है। सरकार का दावा है, कि इस विस्फोट में 12 लोगों की मौत हुई है। पटाखा फैक्ट्री के आसपास के मौजूद लोगों के अनुसार सैकड़ो लोग पटाखा फैक्ट्री में काम कर रहे थे। जिस दिन विस्फोट हुआ है, उस दिन फैक्ट्री में मजदूरी का भुगतान होता था। विशेषज्ञों के अनुसार इस विस्फोट में जो लोग फटाका फैक्ट्री के आसपास होंगे। वह सब राख में तब्दील हो गए होंगे। पटाखा फैक्ट्री में एक ही परिवार के लोग एक साथ काम करते थे। कहा जा रहा है, सैकड़ो लोगों की मौत इस फटाका फैक्ट्री के विस्फोट में हुई है।उनके परिवार में अब कोई जानकारी देने वाला भी नहीं बचा है। इसलिए मृतकों की संख्या का पता लगाना भी असंभव है।

फटाका फैक्ट्री को लाइसेंस देने में,उसके निरीक्षण में, फैक्ट्री के आसपास खुले में बम बनाए जा रहे थे। खाली जमीन में बम सुखाए जा रहे थे। जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों ने लापरवाही बरती। घर-घर बम बनाए जा रहे थे।जिला प्रशासन और शासन द्वारा जो लापरवाही बरती गई है। उसके लिए अधिकारियों को दंडित किए जाने की जरूरत है। जिम्मेदार अधिकारियों के ऊपर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। सरकार ने अधिकारियों के ट्रांसफर करके, जिस तरह से अधिकारियों को बचाने का काम किया जा रहा है, यह आश्चर्यजनक है। खुद मुख्यमंत्री ने सदन में स्वीकार किया है कि जब उन्होंने विस्फोट का वीडियो दिखा। तब उन्हें ऐसा लगा कि वह पोखरण का विस्फोट देख रहे हैं। इसके बाद भी इतनी सतही कार्रवाई भारी चिंता का विषय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएसयू शेयरों में गिरावट से निवेशकों के 6.4 लाख करोड़ डूबे

मुंबई । पिछले तीन सत्रों में पीएसयू शेयरों में लगातार गिरावट के कारण निवेशकों की संपत्ति में 6.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। बीएसई पर पीएसयू इंडेक्स में 23 जनवरी के बाद से 12 फरवरी को सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। ये इंडेक्स 1.7 फीसदी फिसले। पिछले तीन सत्रों में सबसे ज्यादा गिरावट भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में देखने को मिली है। इसके बाद में सूची में दूसरे नंबर पर आईआरएफसी का नाम शामिल है। इन दोनों कंपनियों के मार्केट कैप में करीब 40,000 करोड़ से भी ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इसके बाद इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड और एनएचपीसी का स्थान रहा है। इनके मार्केट कैप में लगभग 25,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इस अवधि में एनटीपीसी लिमिटेड और ओएनजीसी का मार्केट कैप 20,500 करोड़ रुपए फिसल गया है। एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स और इंडियन ओवरसीज बैंक भी इस सूची में शामिल हैं। इनका मार्केट कैप 20,000 करोड़ रुपए और 19,000 करोड़ रुपए कम हो गया। जनरल इंश्योरेंस कॉर्प और कोल इंडिया को मार्केट कैप में 17,000 करोड़ रुपए फिसला है। इससे पहले बीएसई पीएसयू इंडेक्स, जिसमें लगभग 104 लिस्टेड सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां शामिल थीं, लगातार सात सत्रों तक बढ़ी थी, उस दौरान लगभग नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई थी और वर्ष के लिए 13 प्रतिशत की बढ़त हासिल हुई थी। पीएसयू स्टॉक 2021 से ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं, बीएसई पीएसयू इंडेक्स में लगातार तीसरे साल बढ़त देखी जा रही है।

देश की 500 निजी कंपनियों का मूल्यांकन सऊदी-सिंगापुर की जीडीपी से भी ज्यादा

मुंबई । देश की प्रमुख 500 निजी कंपनियों का मूल्यांकन 2022 की तुलना में बढ़कर 2023 में 231 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह देश की जीडीपी का 71 फीसदी है। साथ ही सऊदी अरब, स्विटजरलैंड और सिंगापुर की जीडीपी से ज्यादा है। हुरून इंडिया-एक्सिस बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रमुख 500 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज तीसरे साल भी शीर्ष पर है। इसका पूंजीकरण 15.65 लाख करोड़ रुपए रहा है। 12.4 लाख करोड़ के साथ टीसीएस दूसरे स्थान पर है। विलय के बाद 10 लाख करोड़ का मूल्यांकन पार करने पर एचडीएफसी बैंक तीसरे स्थान पर है। 500 कंपनियों में सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध दोनों शामिल हैं। इन कंपनियों की बिक्री की वृद्धि दर 13 फीसदी बढ़कर 952 अरब डॉलर रही है। एक्सिस बैंक के एक अे धिकारी ने कहा कि ये 500 कंपनियां 70 लाख लोगों को रोजगार देती हैं। एचसीएल टेक और कोटक महिंद्रा बैंक शीर्ष 10 में हैं। जियो फाइनेंशियल 28वें स्थान पर है। 44 फीसदी कंपनियां सेवा क्षेत्र की हैं। 56 फीसदी भौतिक उत्पादों को बेचती हैं। 437 कंपनियों के बोर्ड में महिलाएं शामिल हैं। 179 में महिलाएं सीईओ रैंक पर हैं। 342 कंपनियों के मूल्य में वृद्धि हुई है। 18 के मूल्य में दोगुना से ज्यादा बढ़त हुई है।

एमसीएक्स पर नहीं खुला कमोडिटी बाजार

नई दिल्ली । तकनीकी समस्या के कारण मंगलवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) अपने निर्धारित समय पर नहीं खुल पाया। इसके खुलने का समय सुबह 9 बजे का है। पहले एमसीएक्स पर 10 बजे कारोबार खुलने की सूचना थी लेकिन अब एमसीएक्स पर सूचना के मुताबिक दोपहर 1 बजे के बाद कारोबार शुरू होगा। एमसीएक्स पर बहुमूल्य धातु सोने-चांदी से लेकर कॉपर, एल्यूमीनियम, जिंक जैसी बेस मेटल का वायदा कारोबार होता है। देश के करोड़ों कमोडिटी ट्रेडर्स कारोबार नहीं कर पा रहे हैं। इस कमोडिटी एक्सचेंज पर क्रूड आयल समेत अन्य कमोडिटी का भी वायदा कारोबार होता है। एमसीएक्स भारत का पहला सूचीबद्ध कमोडिटी डेरिवेटिव एक्सचेंज है। इसका परिचालन नवंबर 2003 में शुरू हुआ था और यह भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियामक ढांचे के तहत काम करता है।

भारत का कोयला आयात दिसंबर में 27 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

देश का कोयला आयात दिसंबर 2023 में सालाना आधार पर 27.2 फीसदी बढ़कर 2.335 करोड़ टन हो गया। कोयला मंत्रालय वित्त वर्ष 2026 तक शून्य तापीय कोयला आयात का लक्ष्य लेकर चल रहा है। बी2बी ई-वाणिज्य कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार देश का कोयला आयात दिसंबर 2022 में एक करोड़ 83.5 लाख टन था। दिसंबर 2023 में कोयले का आयात करीब 2.335 करोड़ टन था। दिसंबर 2022 में दर्ज किए गए 1.835 करोड़ टन की तुलना में दिसंबर 2023 में आयात 27.25 प्रतिशत अधिक रहा। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर में कोयला आयात बढ़कर 19.243 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 19.182 करोड़ टन था। इस दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात 12.437 करोड़ टन था, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में आयातित 12.689 करोड़ टन से थोड़ा कम है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि दिसंबर में थर्मल कोयले के आयात में वृद्धि हुई, खासकर सीमेंट और स्पंज आयरन क्षेत्रों में, हालांकि आयात

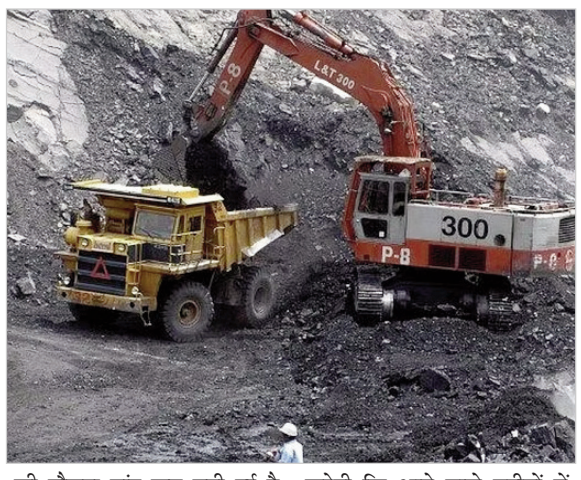

की मौजूदा मांग कम बनी हुई है वास्तविक मात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि आने वाले महीनों में समुद्र संबंधी लागत कैसी रहेगी।

वेदांता एल्युमीनियम ने ई-वाणिज्य मंच शुरू किया

नई दिल्ली । वेदांता एल्युमीनियम ने प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादों की बिक्री के लिए एक ई-वाणिज्य मंच की शुरुआत की है। ई-वाणिज्य मंच खरीदारों को ऑर्डर करने से लेकर डिलीवरी तक तमाम सेवाएं देगा। कंपनी ने ई-सुपरस्टोर, वेदांता मेटल बाजार पर 750 से अधिक एल्यूमीनियम उत्पाद सूचीबद्ध किए हैं। वेदांता के एल्युमीनियम कारोबार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि छोटी और मझोले आकार की कंपनियों के लिए यह एक बड़ा बदलाव साबित होने वाला है। स्लेवेन ने ई-वाणिज्य मंच को भारत में उद्योग के लिए एक बड़ी सफलता करार दिया। उन्होंने कहा कि इससे कंपनी को अपने ग्राहकों को उत्पादों की पूरी श्रृंखला प्रदान करने में मदद मिलेगी। मंच पर उपलब्ध उत्पादों में सिल्लियां, बिलेट्स, प्राथमिक फाउंड्री मिश्र धातु, तार की छड़ें, रोल्ड उत्पाद, फ्लिप कॉइल्स, हॉट मेटल तथा रेस्टोरा (कम कार्बन एल्यूमीनियम) शामिल हैं। इसके अलावा सुपरस्टोर कंपनी के ग्राहक आधार की जरूरतों के अनुरूप अनुकूलित समाधान भी प्रदान करता है। वेदांता लिमिटेड की कंपनी वेदांता एल्युमीनियम ने वित्त वर्ष 2023 में 22.9 लाख टन एल्यूमीनियम का उत्पादन किया था।

आरबीआई मंजूरी दे तो पेटीएम के साथ काम करने को तैयार: एक्सिस बैंक

मुंबई । निजी क्षेत्र का ऋणदाता एक्सिस बैंक का कहना है कि वह पेटीएम के साथ काम करना चाहता है, बशर्ते भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इसके लिए मंजूरी दे। एक्सिस बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) अमिताभ चौधरी ने यह जानकारी दी है। चौधरी ने एक्सिस बैंक की 2023 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 सूची जारी करने के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा कि यह बात नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करती है और अगर नियामक हमें पेटीएम के साथ काम करने की अनुमति देता है, तो निश्चित रूप से हम उनके साथ काम करेंगे। वे फिनटेक उद्योग में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि बैंक सामान्य कारोबार के लिए पेटीएम के साथ चर्चा कर रहा है और 31 जनवरी, 2024 के बाद वे नए पहलुओं पर चर्चा कर रहे हैं। एक्सिस बैंक के ग्रुप एक्जीक्यूटिव अर्जुन चौधरी ने कहा कि हम अपनी सामान्य कारोबारी सेवाओं के लिए पेटीएम के साथ बातचीत कर रहे हैं। 31 जनवरी के घटनाक्रम के बाद हम नई चीजों पर चर्चा कर रहे हैं। 31 जनवरी, 2024 को आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को लगातार अनुपालन न करने और सामग्री पर्यवेक्षी संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए 29 फरवरी, 2024 से नई जमा स्वीकार करने और लेनदेन करने पर पाबंदी लगा दी थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये से ऊपर निकला

सेंसेक्स करीब 482.70 , निफ्टी 127.20 बढ़ा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ ही बैंकिंग शेयरों में भी खरीदारी से बाजार बढ़त पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.68 प्रतिशत करीब 482.70 फीसदी बढ़कर 71,555.19 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.59 फीसदी तकरीबन 127.20 अंक बढ़कर 21,743.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में जमकर खरीददारी हुई। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 2.46 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, रिलायंस ग्रीन के शेयर भी ऊपर आये हैं। वहीं दूसरी ओर केवल पांच कंपनियों के शेयर ही गिरावट पर बंद हुए। इनमें महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्रा टेक, टाइटन, टाटा मोटर्स और आईटीसी बैंक शामिल हैं।

वहीं आरबीआई द्वारा प्रतिबंधों की समीक्षा की उम्मीदों के टूटने के बाद पेटीएम का शेयर आज 10 फीसदी नीचे आकर 400 रुपये से नीचे आ गया और 380.35 रुपये पर बंद हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंच गया। ये उपलब्धि हासिल करने वाली रिलायंस भारत की पहली लिस्टेड कंपनी बन गई। इससे पहले गत दिवस बाजार में गिरावट रही थी। इससे पहले आज सुबह आईटी और मेटल शेयरों में कमजोरी के दौरान मजबूती में खुलने के बाद घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 191 अंक की बढ़त लेकर खुला और 44.45 अंक बढ़कर 71,116.94 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी-50 लाल निशान से निकलते हुए 4.95 की हल्की बढ़त के साथ 21,600 पर कारोबार करता देखा गया। बैंकिंग शेयरों में मंगलवार को खरीदारी देखने को मिल रही है जिसके चलते आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 1.87 फीसदी ऊपर आकर कारोबार कर रहा था।

अरबपति एलन मस्क की बादशाहत पर खतरा

बर्नार्ड अरनॉल्ट दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में कुछ कदम दूर

सैन फ्रांसिस्को।

टेस्ला के मालिक और मशहूर अरबपति एलन मस्क की बादशाहत पर खतरा मंडरा रहा है। नंबर एक की पोजीशन से खिसकने के बाद अब उनके दूसरे स्थान को भी उन्हीं के देश के कारोबारी से कड़ी टक्कर मिल रही है। गौरतलब है कि लक्जरी ब्रांड लुई वुइटन के मालिक बर्नांड अरनॉल्ट दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में टॉप पर हैं जबकि एलन मस्क दूसरे नंबर पर काबिज है। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की नेटवर्थ एलन मस्क के करीब पहुंच गई है और वह दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बनने से कुछ ही कदम दूर है। फोर्ब्स के अनुसार जेफ बेजोस की नेटवर्थ फिलहाल 195.9 बिलियन डॉलर है जबकि एलन मस्क की टोटल नेटवर्थ 201.6 बिलियन डॉलर है। इस हिसाब से जेफ़ बेजोस दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बनने से कुछ ही कदम दूर है। दुनिया के सबसे व्यक्तियों की सूची में बर्नार्ड अरनॉल्ट पहले नंबर है। फ्रांस के अरनॉल्ट की टोटल नेटवर्थ फिलहाल 219.9 बिलियन डॉलर है, जो भारत के मशहूर अरबपति गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी दोनों की टोटल संपत्ति से भी ज्यादा है। बता दें कि हाल के दिनों में एलन मस्क

की नेटवर्थ में कमी आई है। दरअसल, टेस्ला के चौथी तिमाही के उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे जसिस्की वजह से कंपनी के शेयर लुढ़क गए थे और मस्क की नेटवर्थ में 18 बिलियन डॉलर से ज्यादा का घाटा हो गया था। दुनिया के टॉप 10 अमीर व्यक्तियों की सूची में फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग चौथे नंबर पर है। उनकी कुल नेटवर्थ 164.8 बिलियन डॉलर है।

स्टरलाइट ने ब्यावर परियोजना के लिए 2,400 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । स्टरलाइट पावर ने राजस्थान में अपनी ब्यावर ट्रांसमिशन परियोजना के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) से 2,400 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। स्टरलाइट पावर ने बयान में कहा कि अपनी ब्यावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (बीटीएल) परियोजना के लिए सफलतापूर्वक वित्त पोषण प्राप्त कर लिया है। परियोजना का ठेका मिलने के चार महीने के भीतर स्टरलाइट पावर ने उसके लिए वित्त पोषण प्राप्त किया है। स्टरलाइट पावर के एक अधिकारी ने कहा कि किसी भी बुनियादी ढांचा परियोजना के लिए वित्त पोषण हासिल करना बड़ी उपलब्धि होती है। इतने कम समय में इसे हासिल करने से इस महत्वपूर्ण परियोजना के वितरण में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

अमेरिका की फिनटेक ने भारत में खोला नया कार्यालय

- 50 से ज्यादा कर्मचारियों की होगी भर्ती

नई दिल्ली ।

अमेरिका स्थित फिनटेक कंपनी फॉर्मिडियम ने कहा कि उसने भारत में एक नया कार्यालय खोला है और अगले तीन सालों में अलग-अलग पदों पर 50 से ज्यादा कर्मचारियों को नियुक्त करने करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने बेंगलुरु में नया कार्यालय सेंटर ऑफ इनोवेशन (सीओआई) स्थापित किया। फॉर्मिडियम के संस्थापक और सीईओ नीलेश सुद्रानिया ने एक बयान में कहा कि हम फंड प्रशासन व्यवसाय में एक तकनीक-सक्षम फिनटेक फर्म के रूप में अपनी यात्रा को गति प्रदान करने के लिए भारत की सिलिकॉन वैली में उपलब्ध रोमांचक टैलेंट पूल का उपयोग करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम अगले तीन सालों में 40-50 से ज्यादा उम्मीदवारों को नियुक्त करेंगे। कंपनी के अनुसार नया कार्यालय टेक डेवलपमेंट पर फोकस करेगा और ब्लॉकचेन, एआई और फिनटेक में रिसर्च, डेवलपमेंट और एग्जीक्यूशन प्रयासों का नेतृत्व करेगा। फॉर्मिडियम सीओआई के लिए क्लाउड, सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन और जनरल एआई में प्रतिभाओं को नियुक्त करना चाहता है। इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर और प्रोडक्ट भूमिकाओं में पद हैं।

फॉर्मिडियम 2016 से जयपुर और अहमदाबाद जैसे भारत के प्रमुख शहरों में परिचालन में है, जिसमें भारत में कुल 800 से ज्यादा कर्मचारी हैं। कंपनी फंड प्रशासन और निवेश प्रबंधन के तरीके को बदलने के लिए टेक्नोलॉजी को प्राथमिकता देती है। यह फंड मैनेजर्स के लिए इनोवेटिव टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन, वैश्विक पहुंच के साथ हाई-क्वालिटी फंड सर्विस प्रदान करता है।

टाटा समूह में घटी टीसीएस की हिस्सेदारी

10 साल में पहली बार ग्रुप की अन्य कंपनियां निकलीं आगे

नई दिल्ली ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) हमेशा ही लिस्टेड टाटा समूह की कंपनियों के बाजार मूल्य में सबसे बड़ी रही है लेकिन अब 10 सालों में पहली बार इसकी टाटा समूह में हिस्सेदारी 50 फीसदी से नीचे गिर गई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि टाटा के अन्य स्टॉक, विशेष रूप से छोटे स्टॉक, हाल ही में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और पर्याप्त वृद्धि दिखा रहे हैं। हालांकि बाजार पूंजीकरण के आधार पर टीसीएस अभी भी टाटा समूह की सबसे बड़ी कंपनी है, लेकिन शेयर बाजार में इसका प्रदर्शन अन्य टाटा कंपनियों जितना मजबूत नहीं रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आईटी सेवा उद्योग में मंदी के कारण टीसीएस की आय में धीमी वृद्धि देखी गई है, जबकि ऑटोमोटिव, खुदरा और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में आय में तेज सुधार देखा गया है। एक ओर जहां टीसीएस ने मध्यम वृद्धि दर्ज की है, वहीं टाटा समूह की अन्य

कंपनियों ने अपने बाजार पूंजीकरण में तेज वृद्धि हासिल की है। दिसंबर 2022 से मार्केट कैप में 178 फीसदी की तेज वृद्धि के साथ ट्रेंट सबसे ज्यादा प्रदर्शन करने वाली टाटा कंपनी रही है, इसके बाद टाटा मोटर्स, इंडियन होटल्स कंपनी, टाटा कंज्यूमर और टाइटन कंपनी हैं। टाटा समूह की लिस्टेड कंपनियों के कुल मुनाफा में टीसीएस का हिस्सा दिसंबर 2023 तिमाही में गिरकर पांच-तिमाही के निचले स्तर 55.7 फीसदी पर आ गया है। यह कमी समूह की अन्य कंपनियों की तुलना में धीमी आय वृद्धि का संकेत देती है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि टीसीएस भविष्य में समूह के बाजार मूल्य और कमाई में कम योगदान देगी।

पड़ोसी बाजारों में अपना कारोबार का विस्तार करेगी आईटीसी

- एफएमसीजी श्रेणी में कंपनी अन्य परिसंपत्तियों का कर सकती है अधिग्रहण

नई दिल्ली ।

आईटीसी भारत के बाहर अपने सिगरेट के अलावा एफएमसीजी और आतिथ्य सेवा कारोबार का विस्तार करने जा रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में कहा था कि कंपनी भारत के बाहर कारोबार के विस्तार पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि हम करीब 100 देशों को पहले से ही निर्यात कर रहे हैं और उसे बढ़ाना चाहते हैं। दूसरी ओर हम आसपास के बाजारों में अहम मुकाम हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। एफएमसीजी श्रेणी में कंपनी अन्य परिसंपत्तियों का अधिग्रहण कर सकती है अथवा विनिर्माण के लिए अपना कारखाना लगा सकती है। उन्होंने कहा कि अगर पड़ोसी बाजार में हमें अवसर दिखाई देगा तो हम वहां निवेश अथवा अधिग्रहण कर सकते हैं। हम अपनी सहायक इकाइयों के जरिये नेपाल में कन्फेक्शनरी और बिस्कुट का उत्पादन पहले ही शुरू कर चुके हैं। जहां तक आतिथ्य सेवा कारोबार का सवाल है तो होटल क्षेत्र में आईटीसी का पहला विदेशी उद्यम श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आईटीसी रत्नदीप है। अगली तिमाही में यह होटल शुरू हो सकता है। मिश्रित उपयोग वाली इस परियोजना में समुद्र किनारे 5.86 एकड़ भूमि पर एक सुपर-प्रीमियम रिहायशी अपार्टमेंट परिसर और एक लक्जरी होटल शामिल हैं। वर्ष 2023 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार इस परियोजना के विकास के लिए वेलकम होटल्स लंका (प्राइवेट) लिमिटेड में आईटीसी का निवेश 31 मार्च 2023 तक 2,775 करोड़ रुपये है। पुरी ने कहा कि कंपनी प्रबंधन करार करेगा ताकि कम से कम संपत्तियों वाली नीति के साथ आगे बढ़ा जाए।

कंपनी जिन बाजारों की ओर रुख करेगी वे अधिक दूर नहीं होंगे और जो वृद्धि की संभावनाओं के साथ-साथ आईटीसी के पोर्टफोलियो के अनुरूप होंगे। इस लिहाज से कंपनी की नजर पश्चिम एशिया के बाजारों पर हो सकती है।

जनवरी में यात्री वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

देश में स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग से जनवरी में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर ऊंचाई पर पहुंच गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 3,93,250 इकाई हो गई, जो जनवरी 2023 में 3,47,086 इकाई थी। फाडा के एक अधिकारी ने कहा कि नए मॉडल पेश होने, अधिक उपलब्धता, प्रभावी विपणन, उपभोक्ता योजनाओं तथा शादियों के सीजन से एसयूवी की उच्च मांग से बिक्री में उछाल आया। वास्तविक बाजार की मांग के साथ बेहतर तालमेल बैठाने तथा भविष्य में ओवरसप्लाई के मुद्दों से बचने के लिए ओईएम के साथ उत्पादन को लेकर फिर से विचार-विमर्श करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ओईएम (मूल उपकरण निर्माताओं) को निरंतर सफलता और समग्र बाजार स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उत्पादन योजना के साथ नवाचार को संतुलित करना चाहिए। फाडा के अनुसार दोपहिया वाहनों की बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 14,58,849 इकाई हो गई। वाणिज्यिक वाहन की बिक्री पिछले महीने 89,208 इकाइयों पर स्थिर रही। तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री जनवरी 2023 में 71,325 इकाइयों से पिछले महीने 37 प्रतिशत बढ़कर 97,675 इकाई हो

गई। ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 88,671 इकाई हो गई। कुल खुदरा बिक्री जनवरी में सालाना अधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 21,27,653 इकाई रही, जो जनवरी 2023 में 18,49,691 इकाई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

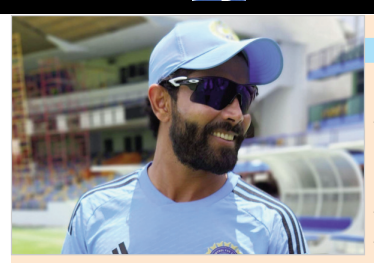

जडेजा की वापसी के कारण अक्षर या कुलदीप को बाहर बैठना होगा

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच 15 फरवरी से राजकोट में तीसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस सीरीज में अभी तक दोनो ही टीमें एक-एक जीत के साथ ही बराबरी पर हैं। ऐसे में ये मैच बेहद अहम माना जा रहा है। इस मैच से पहले भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ को ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को लेकर कोई फैसला लेना होगा। द्रविड़ को देखना होगा कि जडेजा को जगह देने के लिए किस खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह से बाहर रखा जाए। वहीं पिछले मुकाबले में स्पिनर कुलदीप यादव को उनकी जगह पर मौका दिया गया था पर इस खिलाड़ी का प्रदर्शन अच्छा रहा था, ऐसे में अक्षर पटेल और कुलदीप में से किसे शामिल करना है यह फैसला द्रविड़ को लेना होगा। बल्लेबाज लोकेश राहुल फिट नहीं होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे। दूसरे टेस्ट के लिए भारत की संभावित अंतिम ग्यारह : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, केएस भरत, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह और मुकेश कुमार।

दोहा ओपनर में स्वीयाटेक ने क्रिस्टिया को हराया

दोहा।

दो बार की गत चैंपियन इगा स्वीयाटेक ने दूसरे दौर में रोमानिया की सोराना क्रिस्टिया को 6-1, 6-1 से हराकर कतर ओपन अभियान की शुरुआत की। स्वीयाटेक को शुरुआती दौर में बाई मिली । उनका अगला मुकाबला एरिका एंड्रीवा और एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा के बीच मैच की विजेता से होगा। स्वीयाटेक उन पांच महिलाओं में से एक हैं, जिन्होंने दोहा में दो बार एकल खिताब जीता है, और वह इस आयोजन में तीन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने 2022 और 2023 में यह खिताब जीता है। डब्ल्यूटीए के अनुसार, 2013-15 तक मियामी में सेरेना विलियम्स के जीतने के बाद से स्वीयाटेक लगातार तीसरे साल किसी भी डब्ल्यूटीए टूर इवेंट को जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रही हैं। 22 वर्षीय खिलाड़ी की सोमवार को डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में यह 68वीं जीत है। केवल कैरोलीन वोज्नियाकी (89) और विक्टोरिया अजारेंका (79) ने 23 साल की होने से पहले टूर्नामेंट स्तर पर अधिक जीत दर्ज की है।

स्वीयाटेक ने दोहा में अपने पिछले नौ मैच जीते हैं। जिसमें लगातार 15 सेट शामिल हैं। अपनी 2022 की जीत के पहले मैच में उन्होंने विक्टोरिजा गोलुबिक को तीन सेटों में हराया और तब से कतर में एक भी सेट नहीं हारा है।

रोहित के लिए टीम चयन आसान नहीं, कम अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उतरना पड़ेगा

लंदन ।

इंग्लैंड के खिलाफ 15 फरवरी से होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। कप्तान रोहित शर्मा की इस टीम के तीन खिलाड़ी चोटिल होने से बाहर हैं जबकि विराट कोहली ने नाम वापस ले लिया है। ऐसे में टीम को गैर अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उतरना पड़ेगा। टीम की परेशानी कुछ खिलाड़ियों के खराब फार्म से भी बढ़ गयी है। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा के सामने सबसे कठिन अंतिम ग्यारह का चयन है। सीरीज में भारतीय टीम के सामने इंग्लैंड की मजबूत टीम है। भारतीय कप्तान की परेशानी इस कारण से भी बढ़ गयी है कि यह इस सीरीज से पहले कई अनुभवी खिलाड़ियों को खराब फॉर्म के कारण बाहर होना पड़ा है। चयनकर्ताओं ने लगातार अवसरा देने के बाद भी रन बनाने में विफल रहे खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद से चार खिलाड़ियों को बाहर किया जा गया है। इसमें अनुभवी अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं श्रेयस अय्यर को लेकर कुछ भी साफ नहीं है पर उनको भी बाहर किये जाने का कारण खराब फॉर्म ही है। युवा ईशान किशन को भी टीम में जगह नहीं मिली है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत को अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल के चोटिल होने के कारण भी नुकसान हुआ है हालांकि रविन्द्र जडेजा फिट हो गये हैं और उनकी टीम में वापसी हुई है।

महिला वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना चौथे नंबर पर पहुंचीं

दुबई, स्मृति मंधाना ने दो पायदान की छलांग लगाते हुए नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में महिला वनडे बल्लेबाजों की सूची में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। इंग्लैंड की नट शिवर ब्रंट, श्रीलंका की चामरी अथापथु और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी शीर्ष तीन स्थानों पर काबिज हैं। मंधाना की उन्नति को बल्ले से उनके लगातार प्रदर्शन से मदद मिली, खासकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला में, जहां उन्होंने मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में 34 और 29 के स्कोर के साथ अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल उनकी टीम को जीत दिलाई बल्कि उन्हें रैंकिंग सीढ़ी पर भी ऊपर पहुंचाया। एश्ले गार्डनर तीन स्थान गिरकर 22वें नंबर पर आ गईं, जबकि फोएबे लीचफील्ड भी दो स्थान नीचे खिसक गईं। ताहलिया मैकग्रा बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान के फायदे से 30वें नंबर पर पहुंच गईं। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ट को गिरावट का सामना करना पड़ा और वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गईं। दुर्जेय एलिसा हीली एंड कंपनी के खिलाफ बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए, वोल्वार्ट ने संघर्ष किया और 2.33 की औसत से केवल सात रन ही बना सकीं। उनके निराशाजनक प्रदर्शन के कारण उन्हें अपनी पिछली रैंकिंग त्यागनी पड़ी, जिससे मंधाना के आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया। लेकिन यह सिर्फ बल्लेबाज़ नहीं थे जिनकी रैंकिंग में बदलाव देखा गया; हरफनमौला खिलाड़ियों और गेंदबाजों की भी हलचल देखने को मिली। दक्षिण अफ्रीका के एलिज़-मैरी मार्क्स की उल्लेखनीय वृद्धि, ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 34 स्थान की बढ़त के साथ 75वें स्थान पर पहुंच गई, जिससे खेल में उभरती प्रतिभा की गहराई का पता चला।

राहुल इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हुए

राजकोट ।

बल्लेबाज केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 15 फरवरी से यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। राहुल को फिट नहीं होने के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। वह अपनी चोट से अब तक उबर नहीं पाये हैं। राहुल को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। साथ ही कहा गया था कि फिट होने पर ही उन्हें टीम में रखा जाएगा। वहीं ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर गये हैं और उनके तीसरे टेस्ट में खेलने की संभावना है। राहुल अभी बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि राहुल चौथे टेस्ट में खेल पायेंगे।

राहुल को हैदराबाद में हुए पहले टेस्ट के दौरान दाहिनी जांघ में खिंचाव हुआ था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। राहुल की जगह पर खेलने के लिए कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को बुलाया गया है। ये दोनो ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) की ओर से खेलते हैं। पडिक्कल ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने भारत ए की ओर से खेलते हुए इंग्लैंड लायंस के खिलाफ काफी रन बनाये थे। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को तीसरे टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत के विकल्प के तौर पर रखा जाएगा। पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि नये विकल्पों की तलाश की जा रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी 3 टेस्ट के लिए भारतीय टीम:

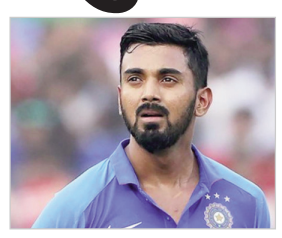

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल*, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, केएस भरत, आर अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मो. सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं पडिक्कल

बिमारी से उबरकर फिट होना थी चुनौती

मुम्बई । कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए केएल राहुल के फिट नहीं होने के कारण टीम में शामिल किया गया है। राहुल जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से उबर नहीं पाये हैं। इसी कारण पडिक्कल को टेस्ट टीम में जगह मिली है। टीम में जगह मिलने से उत्साहित पडिक्कल ने कहा कि उनके लिए 2022-23 सत्र में पेट की समस्या से उबर कर फिट होना सबसे बड़ी चुनौती थी। इस खिलाड़ी ने कहा कि वह काफी बीमार पड़ते रहे और ऐसे में फिट होना उनके लिए जरुरी था। टेस्ट टीम से खेलना उनके लिए हमेशा एक सपने की तरह रहा है। यह अवसर काफी मुश्किल से आया है। साथ ही कहा कि टीम में जगह मिलने पर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि मैंने जो भी कड़ी मेहनत की है उसका फल मिला है। साथ ही कहा कि मेरे साथ बने रहने के लिए मेरे परिवार और शुभचिंतकों को बहुत-बहुत धन्यवाद। उन्होंने कहा, बीमारी से वापसी करना बहुत कठिन था। सबसे बड़ी चुनौती शारीरिक रूप से फिट होना था। मैंने 10 किलो वजन कम किया था और मुझे सही खाना खाना था और मांसपेशियों और ताकत वापस पाने पर ध्यान दिया था। रणजी ट्रॉफी में तमिलनाडु की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले देवदत्त पडिक्कल ने अहमदाबाद में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए शतक और पचास रन बनाए थे।

विराट का नहीं खेलना नुकसानदेह पर युवाओं के पास है अवसर : ब्रॉड

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के इस सीरीज में नहीं खेलने से उसका आकर्षण कम हुआ है। विराट ने निजी कारणों से इस सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। ब्रॉड ने कहा,ये सीरीज के लिए नुकसानदेह है कि विराट बाहर हैं। वह एक चैंपियन खिलाड़ी हैं पर हमेशा की तहर ही परिवार पहले है। ब्रॉड के अनुसार विराट के बाहर होने से इस सीरीज में युवाओं के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं को इस सीरीज में अपने को साबित करना चाहिये। उन्होंने कहा कि युवाओं के बल पर ही हमने पाकिस्तान में हमने सीरीज 3-0 से सीरीज जीती थी। न्यूजीलैंड में भी हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा था। आक्रामक रणनीति से हम खेल को आगे ले जाने में सफल रहे हैं। यह पहला मौका होगा जब विराट घरेलू धरती पर पूरी सीरीज से बाहर रहेंगे। भारतीय टीम ने हैदराबाद में पहला टेस्ट हारने के बाद विशाखापत्तन में हुए दूसरे टेस्ट में जीत से अच्छी वापसी की है ओर सीरीज अभी बराबरी पर है।

बल्लेबाज सौरभ तिवारी ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली ।

झारखंड के बल्लेबाज सौरभ तिवारी ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। सौरभ ने कहा कि वह राजस्थान के साथ 16 फरवरी से जमशेदपुर में होने वाले रणजी ट्रॉफी मुकाबले के बाद पेशेवर क्रिकेट नहीं खेलेंगे। तिवारी ने अपने 17 साल के करियर में झारखंड की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। इसके अलावा इस क्रिकेटर ने तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं। भारतीय टीम में पहुंचने पर उन्हें बाएं हाथ का धोनी भी कहा जाने लगा था। सौरभ ने आईपीएल में भी 4 फ्रेंचाइजी टीमों की ओर से खेला है। इस खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा को लेकर कहा कि इस यात्रा को अलविदा कहना थोड़ा कठिन है। मेरा मानना है कि यह संन्यास के लिए सही समय है क्योंकि अगर आप राष्ट्रीय टीम और आईपीएल में नहीं खेल रहे हो तो फिर टीम में किसी युवा खिलाड़ी के लिए जगह खाली करना सही रहेगा। हमारी टेस्ट टीम में भी कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है और इसलिए

मैंने यह फैसला लिया है। सौरभ ने भारतीय टीम की तरफ से साल 2010 में तीन एकदिवसीय मैच खेले थे जिसमें उन्होंने 49 रन बनाए। उन्होंने अब तक 115 प्रथम श्रेणी मैचों में 47.51 की औसत से 8030 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 22 शतक और 34 अर्धशतक लगाये हैं। आईपीएल में उन्होंने 93 मैच में 28.73 की औसत से 1494 रन बनाए। उन्होंने 181 टी20 मैच भी खेलते हुए 3454 रन बनाए हैं।

भरत को अभी अवसर दिये जाने चाहिये : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । राजकोट टेस्ट में केएस भरत की जगह पर ध्रुव जुरेल को शामिल किये जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि राजकोट टेस्ट प्रबंधन को अभी भरत को ही अवसर देना चाहिये। आकाश के अनुसार इस मामले में थोड़ा अधिक धैर्य रखना चाहिए और इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला में उनके विकेटकीपिंग कौशल के आधार पर ही उनका मूल्यांकन करना चाहिए। आकाश के अनुसार भरत बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे पाए हैं पर अपने शुरुआती टेस्ट करियर में उन्होंने विकेटकीपिंग के लिए प्रशंसा हासिल की है। चोपड़ा ने कहा, मैं खबर सुन रहा हूं कि ध्रुव जुरेल राजकोट में अपना टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं। मैं सोच रहा हूं कि क्या यह सही है या गलत। अगर आप मुझसे व्यक्तिगत रूप से पूछें, तो मुझे लगता है कि केएस भरत को पहले उनकी विकेटकीपिंग के आधार पर आंका जाना चाहिए। मुझे उनमें कुछ भी बुरा नहीं लगता। वह अच्छा काम कर रहे हैं। चोपड़ा ने आगे कहा, ये कठिन पिचें हैं, इसीलिए टीम प्रबंधन कहा कि राहुल के साथ विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। आपने कहा था कि आपको एक विशेषज्ञ कीपर चाहिए। इसलिए उस विशेषज्ञ कीपर की भूमिका में, वह अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। हैदराबाद में वह दोनों पारियों में अच्छा खेला। वास्तव में, दूसरी पारी में अगर उन्होंने थोड़ी देर बल्लेबाजी की होती, तो भारत मैच जीत जाता।

धोनी ने सात नंबर जर्सी का राज बताया

रांची ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने खेल के दौरान सात नंबर की जर्सी पहनने के कारण बताये है। धोनी ने एक कार्यकम में कहा कि मेरा जन्म 7 जुलाई को हुआ, जो 7वां महीना भी है। वहीं जन्म का साल 1981 था, इसलिए 8 घटा 1 बराबर 7 आया। इसलिए जब उन्होंने मुझसे पूछा कि आपको कौन सा नंबर चाहिए तो मैंने 7 नंबर चुना। धोनी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 7 नंबर की जर्सी पहनकर की थी और इसका समापन भी इसी नंबर के साथ किया। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने धोनी के संन्यास लेने के बाद उनके सम्मान में गत वर्ष 7 जर्सी को रिटायर कर दिया था। इस प्रकार क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट में धोनी के महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान दिया है। इससे पहले सचिन तेंदुलकर की 10 नंबर जर्सी भी रिटायर कर दी गयी थी। इसका मतलब यह है कि अब कोई भी खिलाड़ी अब पुरुष क्रिकेट में नंबर 7 या नंबर 10 की जर्सी नहीं पहन सकेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले धोनी अभी आईपीएल में सक्रिय है। आईपीएल 2023 जीतने के बाद धोनी ने अपने घुटने की भी सर्जरी करवाई थी पर अब वह फिट होने के बाद आईपीएल 2024 में वापसी के लिए तैयारी हैं। रांची में नेट्स में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। अब जब धोनी अपने सत्र के लिए मैदान पर उतरेंगे तो सभी की नजरें उन पर होंगी।

ध्रुव इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में कर सकते हैं पदार्पण

नई दिल्ली ।

युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को इंग्लैंड के खिलाफ 15 फरवरी से राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में डेब्यू कर सकते हैं। पहली बार टेस्ट दल में शामिल जुरेल को जगह मिलना इसलिए तय माना जा रहा है क्योंकि पहले दो टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। भरत विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी में प्रभावित नहीं कर पाये थे। ऐसे में उनकी जगह जुरेल को अवसर दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भरत को एक और अवसर मिलने की संभावना बेहद कम है। वह इससे पहले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भी प्रभावित नहीं कर पाये थे। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में उनक प्रदर्शन कमजोर रहा। उन्होंने पिछली 12 टेस्ट पारियों में 221 रन बनाए। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 20.09 रहा।

भरत की बल्लेबाजी के साथ ही विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं रही। वह अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। वहीं जुरेल एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उनका रवैया भी अच्छा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश, इंडिया ए और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में यदि राजकोट में जुरेल को टेस्ट डेब्यू करते हुए देखा जा सकता है। जुरेल ने 15 फर्स्ट क्लास मैचों में 46.47 की औसत से 790 रन बनाये हैं। उनके नाम एक शतक और 5 अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका

सर्वश्रेष्ठ स्कोर 249 रन रहा है। इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली थी।

दूसरी ओर भरत ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों में मिले अवसरों को खो दिया। उन्होंने चार पारियों में 23 की औसत से केवल 92 रन बनाए , इस दौरान उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं रही।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारतीय महिला टीम चीन से हारी

राउरकेला । भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग में चीन के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में भारतीय टीम को शुरुआत में बढ़त मिल गयी थी पर वह उसे बरकरार नहीं रख पायी। भारतीय महिला हॉकी टीम की ओर से संगीता कुमारी ने 14 वें मिनट में ही एक गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद चीन की ओर से गु बिंगफेंग ने 53 वें मिनट में एक गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। वहीं जीयू बिंगफेंग ने 53 वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी जो अंत तक कायम रही और चीन की टीम 2-1 से मैच जीतने में सफल रही। वहीं भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही बढ़त ले ली थी। दोनों ही टीमों ने अपनी लय बरकरार रखी और इस दौरान उन्हें कई पेनल्टी कॉर्नर भी मिले। दूसरी ओर भारतीय टीम अपने तीन पेनल्टी कॉर्नरों में से किसी को भी गोल में नहीं बदल पायी। दूसरे क्वार्टर में चीनी खिलाड़ी हावी रहीं पर भारतीय रक्षापंक्ति ने भी बेहतर प्रदर्शन कर उन्हें कोई अवसर नहीं दिया। दूसरे क्वार्टर में लगभग 10 मिनट पहले चीन को पेनल्टी कॉर्नर मिला पर भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता ने उसे रोक लिया। भारतीय महिला हॉकी टीम को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला पर चीन की रक्षापंक्त ने उसपर गोल नहीं होने दिया। तीसरे क्वार्टर में कोई भी टीम नेट पर गोल नहीं कर पाई और गतिरोध जारी रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीवन में पहली नौकरी का उत्साह जहां मेहनत से मन लगा कर काम करने में मदद करता है, वहीं शुरू-शुरू में थोड़ा बहुत नर्वस होना भी स्वाभाविक है। इस दौरान जहां नियमों में बंध कर अपने कार्य को सुचारु रुप से करना जरूरी है, वहीं बॉस सहित अपने सहकर्मियों से सही तालमेल बिठाना भी अनिवार्य है। कुल मिला कर कार्यक्षेत्र में खुद को काम के अनुसार ढालना एक कला है।

फर्स्ट जॉब उम्मीदों और चुनौतियों की शुरुआत

नई जॉब, नए अनुभव

राघव देसाई 23 साल के हैं। उनकी पहली नौकरी कैम्पस प्लेसमेंट के जरिए लगी। बकौल राघव, 'ऑफिस का वर्क कल्चर काफी अच्छा है। सभी सीनियर काफी मददगार हैं। यहां तक कि उनके द्वारा दी गई सलाह ध्यान से सुनने लायक होती है। ऐसी पॉजटिव सोच न सिर्फ सीखते रहने के गुण को बनाए रखती है, बल्कि उसे अपना कर अनुभवी व कुशल कर्मी के रूप में आपकी पहचान बनती है।

उधर अपनी 6 माह पुरानी पहली नौकरी के बारे में रीमा झा कहती हैं, 'नए कल्चर व नए लोगों के साथ काम करना जितना रोचक है, उतना ही कठिन भी। शुरुआती दिनों में नए लोगों के साथ एडजस्ट करना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल हुआ, लेकिन अब सब ठीक है।' रीमा अपनी इस जॉब से खुश हैं, लेकिन कहती हैं कि जब तक मन लगेगा, तभी तक इसे करेंगी, नहीं तो बदल लेंगी। वहीं कुछ दिन पहले अपनी पहली नौकरी ज्वॉइन करने वाले रवि आर्या कहते हैं, 'मैं फिलहाल जल्दी जॉब नहीं बदलूंगा और कम से कम एक साल तक यहीं काम सीखना चाहूंगा।' पहली नौकरी पाना जहां आपका सपना सच होने जैसा होता है, वहीं कुछ छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

ब्रांड की जगह रुचि पर ध्यान दें

बड़े ब्रांड की बजाए अपनी रुचि पर ध्यान दें। ऐसा काम करें, जो आपकी रचनात्मकता को रूप दे, फिर चाहे कंपनी बड़ी हो या छोटी। ऐसा भी देखा जाता है कि युवा अपने अभिभावकों या वरिष्ठों की सलाह पर अधिक चलते हैं और विशेषज्ञों की कम, जबकि होना इसका उलटा चाहिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आपको सीखने का मौका मिल रहा है तो ये काफी है। कुछ लोग पहली जॉब से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें पाल लेते हैं, लेकिन ये गलत है। पहली जॉब में आपको कितनी सैलरी मिल रही है, ये बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता। कुछ समय अपने काम को समझने में लगाना चाहिए और अपनी स्किल्स को और मजबूत बनाना चाहिए। पहली जॉब एक मकान की बुनियाद की तरह होती है।

कंपनी को समझने का प्रयास करें

जरूरी है कि जिस कंपनी को आपने अपनी कार्य रुचि के हिसाब से चुना है, उसमें ही काम शुरू करें। एक बड़ी कंपनी में बतौर जनरल मैनेजर काम कर रहे एक शख्स ने बताया कि किस तरह उनके एक मित्र ने खुद को मिसफिट पाने पर पहली नौकरी छोड़ी थी। दरअसल उन्हें लगा था कि वह अपने कार्य के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं और इसलिए वह संस्थान के लायक नहीं हैं।

नौकरी बदलने की होड़ में शामिल न हों

अक्सर देखने में आता है कि पहली नौकरी ज्वॉइन करते ही उसे बदलने की होड़-सी लग जाती है। ये आपकी गलतफहमी है कि अगर आप जल्दी-जल्दी कंपनी बदलेंगे तो आपका प्रोफाइल मजबूत होगा। रितेश सिंह जब एक बड़े मीडिया हाउस में इंटरव्यू के लिए गए तो उनसे पूछा गया कि आखिर उन्होंने बीते 5 साल में 7 नौकरियां क्यों बदलीं? पर उनके पास उसका कोई उचित जवाब नहीं था। दरअसल जल्दी-जल्दी जॉब बदलना आपके नेगेटिव प्रोफाइल को बढ़ाता है, इसलिए इससे बचें। अगर आप जल्दी-जल्दी जॉब बदलेंगे तो किसी भी कंपनी में जाने पर सबसे पहले आपकी स्टेबिलिटी पर प्रश्नचिह्न लगेगा। दरअसल आपने किस कम्पनी में कितने समय काम किया और क्या सीखा, ये बहुत मायने रखता है। दरअसल हर कंपनी कर्मचारी की ट्रेनिंग पर अपने रिसोर्स खर्च करती है और अगर आप जल्दी ही कंपनी छोड़ देते हैं तो न तो उन स्किल्स का आप इस्तेमाल कर पाते हैं और न ही वह सब आपकी प्रोफाइल में जुड़ ही पाता है।

कैंपस सेलेक्शन के फायदे

कुछ लोग यह मानते हैं कि ग्रेजुएशन के बाद सीधे कैम्पस प्लेसमेंट से प्रगति रुक जाती है। करियर में अच्छी उन्नति नहीं मिल पाती। लेकिन ऐसा नहीं है। इसके भी रास्ते हैं। अगर आपने ग्रेजुएशन के बाद जॉब ज्वॉइन की है तो आप पोस्ट ग्रेजुएशन करके अच्छी पदोन्नति पा सकते हैं, क्योंकि आजकल ऐसा करना आम बात हो चुकी है। कुछ कम्पनियां तो अपने कर्मचारियों के लिए कई तरह के शैक्षिक प्रोग्राम भी चलाती हैं, ताकि आप कमाई के साथ-साथ पढ़ाई भी कर सकें। एक सर्वे में देश भर के एक हजार से अधिक सीईओ के विचार जाने गए, जिससे पता चला कि 80 प्रतिशत सीईओ अपनी पहली नौकरी में करीब पांच वर्ष टिके रहे थे। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पहली नौकरी किस तरह आपके करियर की बुनियाद मजबूत करने के लिए जरूरी होती है। यदि आप पहली नौकरी में लंबा समय गुजारते हैं तो कहीं भी सफलतापूर्वक काम कर सकते हैं, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि एक सफल शुरुआत से आधा लक्ष्य पूरा हो जाता है। हालांकि एक अच्छी शुरुआत के लिए कई बातों को दिमाग में रखना होता है।

अनुशासनहीनता न हो

कुछ वरिष्ठ मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स का मानना है कि कंपनियां फ्रेशर्स को काम के जरूरी हुनर सीखने का पूरा मौका देती हैं। इसके बावजूद अगर वह जरूरी काम नहीं सीख पाते तो भी चिंता की बात नहीं होती। लेकिन याद रखना चाहिए कि अनुशासनहीनता, झूठ, गलत व्यवहार आदि को कहीं भी बर्दाश्त नहीं किया जाता।

सॉफ्टवेयर डेवलपर फिल्ड में करियर की नई संभावनाएं

जिस तरह से इंटरनेट दुनिया का विस्तार हो रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले समय में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपर की काफी डिमांड होगी.

टेक्नोलॉजी और कम्प्यूटर, दोनों को मिलाकर तैयार सॉफ्टवेयर डेवलपर का फील्ड आने वाले समय में और विस्तृत होगा और करियर की नई संभावनाओं को सामने लाएगा. इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी ने समाज में जबर्दस्त बदलाव लाने का काम किया है क्योंकि इसके जरिए कम्युनिकेशन सेक्टर, इंटरनेट एक्सेस प्वांइट, इंटरनेट सिस्टम को नई दिशा मिली है. जिस तरह से इंटरनेट दुनिया का विस्तार हो रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले समय में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपर की काफी डिमांड होगी. मालूम हो, सॉफ्टवेयर डेवलपर वह शख्स होता है जो ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग या एप्लीकेशन डेवलप करता है.

शिक्षा- सॉफ्टवेयर डेवलपर बनने के लिए आपके पास कम्प्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग सहित इसके समकक्ष विषयों में बैचलर डिग्री होनी चाहिए. अभ्यर्थी के पास गणित की डिग्री काफी मायने रखती है क्योंकि सॉफ्टवेयर की प्रोग्रामिंग में गणित का इस्तेमाल काफी अहम है.

इंटीरियर डिजाइनर सजाते हैं घर और दफ्तर

घर हो या दफ्तर, हर जगह अगर मेरी छाप दिख सके तो बात बन जाए। शायद आज हर व्यक्ति कुछ इसी तर्ज पर सोचता है। इस सोच को पूरा करने और अपने घर और दफ्तर को मन-मुताबिक सजाने के लिए हमें एक प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है। ये प्रोफेशनल कहलाते हैं इंटीरियर डिजाइनर, जो अपनी कला और हमारी पसंद को मिला कर जगह को एक नया रूप देते हैं। बतौर इंटीरियर डिजाइनर, आपको प्रबंधन की कला के अलावा एक्सक्लूसिव फर्नीचर, आर्ट पीसेज और फर्निशिंग के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है।

इंटीरियर डिजाइनर का काम

एक इंटीरियर डिजाइनर का काम उपलब्ध जगह का अधिकाधिक इस्तेमाल करना है। साथ ही जगह को अपने क्लाइंट की पसंद और उसके बजट को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक व्यावहारिक बनाना भी है। वह नए-पुराने घर-दफ्तर, होटल-रेस्तरां, स्टूडियो आदि को लोगों की पसंद के मुताबिक तैयार करता है। आमतौर पर इंटीरियर डिजाइनर दीवारों और छतों के किसी भी ढांचे को सजाने का काम करता है, जिसमें वे फर्निशिंग यानी पर्दे, टेबल कवर, बेड कवर, सोफा कवर आदि के साथ फर्नीचर और घर में लाइट का प्रबंध करता है। यह प्रबंध सिर्फ देखने में ही नहीं, बल्कि रहने के लिहाज से भी व्यावहारिक होता है। आपकी किचन में कितने ड्रॉर होंगे, गैस के साथ चिमनी लगनी चाहिए या वेंटिलेशन का कोई और तरीका हो, इन सब मुद्दों पर भी वे मदद करता है। घर में हर कमरे के लिए अलग रंग, अलग फर्निशिंग्स व फर्नीचर को चुनने में वह सहायता करता है।

कैसे करें शुरुआत

इंटीरियर डिजाइनिंग में कई संस्थान डिप्लोमा कोर्स मुहैया करा रहे हैं। इन पाठय़क्रमों के लिए आप 12वीं के बाद आवेदन कर सकते हैं। इनमें प्रवेश के लिए कई संस्थान प्रवेश परीक्षा के साथ आपकी ड्राइंग की कला भी आंकते हैं। बेहतर रहेगा कि आप अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए एक पोर्टफोलियो तैयार करें, जिसे आप संस्थान की ओर से आयोजित इंटरव्यू के दौरान दिखा सकते हैं। आप विभिन्न पॉलिटेक्निक या निजी संस्थानों से इस कोर्स के लिए अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कई नामी-गिरामी संस्थान व विश्वविद्यालय, खासकर डिजाइनिंग से जुड़े हुए, अपने यहां छात्रों को 4 वर्ष का डिग्री कोर्स भी मुहैया कराते हैं, जिसमें वे डिजाइनिंग के विभिन्न पहलुओं के साथ क्राफ्टमैनशिप की भी कुछ जानकारी अपने छात्रों को देते हैं। इसके अलावा आप किसी अन्य विषय में ग्रेजुएशन करने के बाद भी इस प्रोफेशन को अपना सकते हैं। आमतौर पर कला या विज्ञान विषयों में ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा के जरिये इंटीरियर डिजाइनिंग की विभिन्न शाखाओं जैसे रेजिडेंशियल डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग या लैंडस्केप डिजाइनिंग में स्पेशलाइजेशन हासिल करते हैं।

क्या हों खूबियां

अगर आपमें रचनात्मकता है और अधिक से अधिक लोगों के साथ मिल कर नई-नई चुनौतियों का मुकाबला करना चाहते हैं तो इंटीरियर डिजाइनिंग आपके लिए एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है।

आप किसी भी विषय की जानकारी के बाद यह पाठय़क्रम पढ़ सकते हैं, लेकिन अगर आपको कला के अलावा डेकोरेटिव सामान, घर में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों और आर्किटेक्चर की मूलभूत जानकारी है तो आपके लिए डिजाइनिंग की राह और आसान हो जाएगी। इसके साथ ही अपने करियर को सफल बनाने के लिए आपको बातचीत की कला के साथ ही सुनने की कला भी आनी चाहिए। अगर आप थोड़ी मेहनत और हर बार नए कॉन्सेप्ट के लिए तैयार हैं तो यहां आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही आप में फैशन, परंपरा और संस्कृतियों को समझने की क्षमता होनी चाहिए, ताकि आप क्लाइंट की पसंद को अपनी रचनात्मकता से साकार रूप दे सकें।

पाठय़क्रम - एमबीए इंटीरियर डिजाइन, एम.एससी. इंटीरियर डिजाइन, बी.एससी. इंटीरियर डिजाइन, बी.ए. ऑनर्स इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, बी.ए. इंटीरियर डिजाइन, पी.जी. डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन एंड स्टाइल, डिप्लोमा इन स्टाइलिंग फॉर इंटीरियर्स, डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर डेकोरेशन एंड डिजाइन

फीस - किसी भी अच्छे निजी संस्थान से इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा कोर्स की सालाना फीस लगभग दो से तीन लाख रुपये तक हो सकती है। वहीं पॉलिटेक्निक्स सरकार द्वारा तय नियम एवं शर्तों के मुताबिक फीस लेते हैं। फीस व स्कॉलरशिप संबंधित अधिक जानकारी के लिए संबंधित संस्थान से संपर्क करें।

वेतन - इंटीरियर डिजाइनिंग में दो वर्षीय डिप्लोमा करने के बाद कोई भी छात्र किसी बड़ी कंपनी या डिजाइनर के यहां बतौर इंटर्न 20 हजार रुपय` प्रतिमाह तक कमा सकता है। अनुभव के साथ आपकी आय की कोई सीमा नहीं है। बड़े डिजाइनर एक से दो रूम के लिए दो से तीन लाख रुपये बतौर कंसल्टेंसी मांग लेते हैं।

नफा-नुकसान

- मेहनत के साथ इस क्षेत्र में शोहरत व पैसा कमाना मुश्किल नहीं है
- यहां कई जान-मानी हस्तियों के लिए काम करने का मौका मिल सकता है
- कई बार काम पूरा करने के चलते रात को देर तक या सुबह-सुबह काम करना पड़ सकता है
- इंटीरियर डिजाइनिंग का काम काफी थका देने वाला है, जिसमें कई स्तर के अलग-अलग लोगों से मिलना व उनसे काम निकलवाना पड़ता है

अगर आप क्रिएटिव हैं, मेहनत से मुंह नहीं मोड़ते और नए कॉन्सेप्ट के लिए हमेशा तैयार रहते हैं तो बतौर इंटीरियर डिजाइनर आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। अच्छे इंटीरियर डिजाइनर्स की मांग दिनोंदिन बढ़ रही है।

स्टेशन पर गोलीबारी में एक की मौत, पांच घायल

न्यूयॉर्क । अमेरिका के सबसे बड़े महानगर न्यूयॉर्क के सिटी सबवे के एक स्टेशन पर गोलीबारी में एक शख्स की मौत हो गई है, जबकि पांच लोग घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यहां कई लोगों को गोलियां भी लगी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना स्थानीय समयानुसार सोमवार शाम 4:38 बजे हुई। पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है। उसने बताया है कि हमलावरों ने चार पुरुषों और दो महिलाओं को गोली मार दी। यह घटना ब्रॉन्क्स स्टेशन की बताई जा रही है। यहां पर माउंट एडेन और जेरोम एवेन्यू का इंटरसेक्शन है। मिली जानकारी के अनुसर प्लेटफॉर्म नंबर चार पर हमलावरों ने गोलियां बरसाई। पुलिस ने यह भी बताया कि घायलों में कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हालांकि इस घटना को लेकर किसी की गिरफ्तारी नही हुई है। रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाए जाने की खबरें आ रही हैं।

बच्चा पैदा करने पर कंपनी अपने कर्मचारी को दे रही है 62 लाख का इनाम

सियोल । दक्षिण कोरियाई कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए शानदार ऑफर दिया है। कंपनी ने अपने बयान में बताया है कि जो भी कर्मचारी के घर बच्चा पैदा होगा उसे बतौर पुरस्कार के कंपनी 100 मिलियन कोरियन वॉन यानि की करीब 62.34 लाख रुपये देगी। सियोल बेस्ड कंस्ट्रक्शन कंपनी बूयंग ग्रुप ने सोमवार को एक बयान में कहा कि यह ऑफर पुरुषों और महिलाओं, दोनों के लिए है। दरअसल, एक दक्षिण कोरियाई कंपनी देश की बेहद कम जन्म दर को ठीक करने में मदद के लिए लाखों डॉलर का भुगतान करने को तैयार है। बता दें कि वर्तमान में ये दर 0.78 है, जो दुनिया की सबसे कम प्रजनन दर है। स्टैटिस्टिक्स कोरिया के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह दर 2025 तक 0.65 तक पहुंच सकती है। कंपनी अब वित्तीय तौर पर पैसा देकर कर्मचारियों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए कह रही है। कई यूरोपीय देशों को भी उम्रदराज़ आबादी का सामना करना पड़ता है, लेकिन उस परिवर्तन की गति और प्रभाव आप्रवासन द्वारा कम कर दिया जाता है। हालाँकि, दक्षिण कोरिया, जापान और चीन जैसे देशों ने अपनी कामकाजी उम्र की आबादी में गिरावट से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर आप्रवासन से परहेज किया है।

सर्वे में हुआ खुलासा, रशियन-कोरियन महिलाएं होती हैं बेहद खूबसूरत

लंदन । दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाएं होने का खिताब रशियन-कोरियन महिलाओं को जाता है। यदि गूगल सर्च को देखें तो लोग अक्सर यह सवाल पूछते रहते हैं। यही वजह है कि इससे जुड़े हुए सर्वे भी होते रहते हैं। ?जिसके बाद महिलाओं को सबसे सुंदर करार देने का निर्णय होता है। जानकारी के मुता?बिक यूरोपीय संगठन की ओर से भी एक सर्वे किया गया, जिसमें परीक्षकों ने महिलाओं की त्वचा के रंग और आंखों के रंग सहित कई चीजों को परखा गया। अगर आप सोच रहे हैं कि ये देश भारत या कोई एशियन कंट्री है, तो ऐसा नहीं है। इस लिहाज से दो देशों का नाम ज्यादा लिया जाता है। एक तो पिछले दो साल से युद्ध की विभीषिका झेल रहा देश यूक्रेन है। यहां की महिलाएँ पूरी दुनिया में आकर्षक मानी जाती हैं। हालांकि कई वेबसाइट्स तुर्की की महिलाओं को भी यूक्रेन के बराबर ही खूबसूरत मानते हैं। यूक्रेन और तुर्की के बाद स्वीडन की महिलाओं को सबसे सुंदर माना जाता है। इसके अलावा पोलैंड, नॉर्वे, बेलारूस, और रूस की महिलाएं भी अपनी अलहदा खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। सर्वे के मुताबिक इजरायली महिलाएं खूबसूरत तो होती हैं, लेकिन हिंसक होती हैं। इसका कारण यहूदी महिलाओं को 2 साल तक सेना में सेवा करनी होती है, ऐसे में वो सुंदरता में अगर कहर हैं तो हिंसा में काल हैं। फ्रांस और जर्मनी, पश्चिमी और मध्य यूरोप में सबसे सुंदर महिलाओं वाले देश हैं। यहां की महिलाएं एक अलग ही चार्म रखती हैं। इनकी आंखों और बालों का रंग काफी आकर्षक होता है। यूरोपीय संगठन द्वारा सर्वे के नतीजे के आधार पर ये बताया गया है। यही वजह है ज्यादा यूरोपीय देशों की बात की गई है। वैसे सुंदर महिलाओं की लिस्ट में ब्राज़ील और अमेरिकन महिलाओं का भी नाम आता है, जबकि कोरियन महिलाएं अपनी खूबसूरत त्वचा के लिए ही पहचानी जाती हैं। एशियन देशों की बात करें तो भारत और पाकिस्तान की महिलाएं भी सुंदरता के साथ-साथ शार्प फीचर्स की वजह से सुंदर मानी जाती हैं। इनके बालों और आखों का काला रंग और साधारण सुंदरता भी दिल जीत लेती है।

मिस्र ने इजरायली वित्त मंत्री पर गाजा युद्धविराम वार्ता में बाधा डालने का लगाया आरोप

काहिरा। मिस्र ने इजरायल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच पर आरोप लगाया है कि वह गाजा युद्धविराम वार्ता में बाधा डाल रहे हैं। टाइम्स ऑफ इजरायल समाचार वेबसाइट ने मिस्र के अधिकारियों के हवाले से कहा कि श्री स्मोट्रिच ने शनिवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बंधक वार्ता के लिए इजरायली प्रतिनिधि को मिस्र नहीं भेजने का आह्वान किया। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा कि श्री स्मोट्रिच का गैर-जिम्मेदराना और भड़काऊ बयान देना जारी है, जिससे दिन-ब-दिन संघर्ष बढ़ रहा है। इससे गाजा पट्टी में संकट को रोकने के किसी भी प्रयास को विफल करता है। मंत्रालय के अनुसार इस तरह के बयान पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, क्योंकि मिस्र का अपने क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण है और वह किसी भी पक्ष को अपनी कमियों को सही ठहराने के किसी भी असफल प्रयास में मिस्र का नाम शामिल करने की अनुमति नहीं देता है। उल्लेखनीय है कि मिस्र गाजा पट्टी में शांति लाने और फिलिस्तीनी- इजरायली बंदियों को रिहा करने के लिये मिस्र-कतरी प्रायोजन के तहत वार्ता करने का प्रयास कर रहा है।

इजरायली सेना ने राफा में 2 बंधकों को बचाया

यरूशलम। इजरायल के विशेष बलों ने दो बंधकों को रिहा करने के लिए सोमवार तड़के गाजा के राफा में हमलों की शुरुआत की, जिसमें कम से कम 67 फिलिस्तीनी मारे गए। तीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इज़रायल में इन हमलों को वीरता के रूप में मनाया गया वहीं इस ऑपरेशन ने गाजा के सबसे दक्षिणी शहर राफा में डर का माहौल पैदा कर दिया। इससे चलते एन्क्लेव के 20 लाख से अधिक निवासियों में से आधे से अधिक गाजा के अन्य हिस्सों में इजरायली बमबारी से शरण मांग रहे है। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक अपडेट में कहा कि रात भर में कम से कम 67 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। स्थानीय टीवी चैनलों पर प्रसारित छवियों और वीडियो फुटेज में एक मस्जिद सहित क्षेत्र की इमारतों को व्यापक क्षति दिखाई गई। फिलिस्तीनी प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायल ने सोमवार तड़के राफा क्षेत्र पर करीब 40 हवाई हमले किए, जिसमें जमीनी स्तर पर भारी गोलाबारी की गई। राफा में अल-कुवैती अस्पताल के निदेशक सुहैब अल-हम्स ने बताया कि दवाओं की भारी कमी से जूझ रहे उनके अस्पताल में बड़ी संख्या में घायल, दर्दनाक अंग-भंग और गंभीर रूप से जलने से पीड़ित लोग अस्पताल पहुंचे। राफा में फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि विशेष इजरायली बल गुप्त रूप से शहर के मध्य में शबौरा पड़ोस में स्थित एक इमारत में पहुंचे और हमास के सदस्यों के साथ झड़प के बाद दो बंदियों को मुक्त करा लिया गया। इज़रायल रक्षा बलों के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि बचाव के बाद इज़रायली बलों और हमास लड़ाकों के बीच भारी लड़ाई हुई। सेना ने भारी हवाई हमले किए। उन्होंने कहा, 'इजरायली वायु सेना द्वारा दक्षिणी कमान के साथ मिलकर हवाई कवरेज और हमलों की लहर थी।' इज़रायली अधिकारियों के अनुसार, गाजा में लगभग 130 बंधक बने हुए हैं, जिनमें से कम से कम 30 के मारे जाने की सूचना है। पिछले नवंबर में एक महिला सैनिक के बचाव के बाद, रात के समय का ऑपरेशन केवल दूसरा उदाहरण है जिसमें इजरायली बलों ने गाजा में बंधकों को सुरक्षित रूप से छुड़ाने का दावा किया है। रिहा किए गए दो बंधकों लुईस हार (70)और फर्नांडो साइमन मार्मन (60) दोनों के पास अर्जेंटीना की नागरिकता भी है - को विमान से तेल अवीव के बाहर शीबा अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के उप महानिदेशक, येल फेनकेल नीर ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी चिकित्सा जांच की गई और उनकी हालत बेहतर है। इज़रायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी किए गए वीडियो फुटेज में दोनों को अस्पताल में दिखाया गया है।

रियो डि जिनेरियो में कार्निवल परेड में अपनी कला का प्रदर्शन करती हुई एक कलाकार।

ध्वनि की गति से नौ गुना तेज है रफ्तार मिसाइल रुस ने दागी

कीव। रूस ने बीते सात फरवरी को यूक्रेन पर हमले के दौरान हाइपरसोनिक जिरकॉन मिसाइल दागी थी। कीव के एक वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान के फारेंसिक परीक्षणों के प्रमुख ने सोमवार को यह जानकारी दी। संस्थान के निदेशक आलेक्जेंडर रुविन ने प्रारंभिक विश्लेषण का हवाला देते हुए अपने टेलीग्राम चैनल पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिसाइल के टुकड़ों और उन पर दर्ज विवरण से उसके जिरकान होने की बात प्रमाणित होती है। कीव के एक वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान के फारेंसिक परीक्षणों के प्रमुख ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिसाइल के टुकड़ों और उन पर दर्ज विवरण से उसके जिरकान होने की बात प्रमाणित होती है। उन्होंने मिसाइल मलबे को दिखाने के लिए एक वीडियो भी पोस्ट किया है। उल्लेखनीय है रूस ने जून 2022 में कहा था कि उसने जिरकॉन का परीक्षण पूरा कर लिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जिरकॉन को बेजोड़ हथियार प्रणालियों की नई पीढ़ी का हिस्सा बताया था। बता दें कि सात फरवरी को यूक्रेन में हुए हमले में कम से कम पांच लोग मारे गए और आवासीय भवनों और बुनियादी ढांचे को भारी क्षति हुई थी। रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से इस बारे में अभी तक कोई बयान नहीं दिया गया है। उन्होंने मिसाइल मलबे को दिखाने के लिए एक वीडियो भी पोस्ट किया है। यह मिसाइल 1,000 किमी की दूरी तय करती है। इसकी रफ्तार ध्वनि की गति से नौ गुना तेज है। सैन्य विश्लेषकों के अनुसार, इसकी हाइपरसोनिक गति बहुत मायने रख सकती है।

पाकिस्तान में होंगे दो प्रधानमंत्री, नवाज-बिलावल के बीच हुआ समझौता

वाशिंगटन । (एजेंसी)। 8 फरवरी को हुए चुनाव के बाद से ये सवाल लगातार उठ रहे हैं कि कौन पाकिस्तान का नया प्रधानमंत्री बनेगा। पाकिस्तान से जो खबरें आ रही हैं उसके अनुसार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद को लेकर पीएमएल नवाज और बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के बीच डील फाइनल हो गई है। पाकिस्तान में दो प्रधानमंत्री का फॉर्मूला तय किया गया है। पाकिस्तान में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिलने के बाद वहां जोड़ तोड़ की राजनीति भी लगातार जारी है। इमरान समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को अपने पाले में लाने की कोशिशें भी तेज हो गई हैं। अगर पीएमएलएन को पूर्ण बहुमत मिलता तो नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ खुद उनके प्रधानमंत्री बनने का ऐलान कर चुके थे। लेकिन पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक नवाज शरीफ गठबंधन सरकार संभालने के इच्छुक नहीं थे। उन्हें लगता है कि कमजोर सरकार में फैसले लेना मुश्किल होगा। वहीं पिछले बार गठबंधन सरकार में विदेश मंत्री रहे बिलावल भुट्टो ने चुनाव से पहले ही साफ कर दिया था कि वो इस बार नवाज सरकार में मंत्री नहीं बनेंगे। पीपीपी इस बार बिलावल

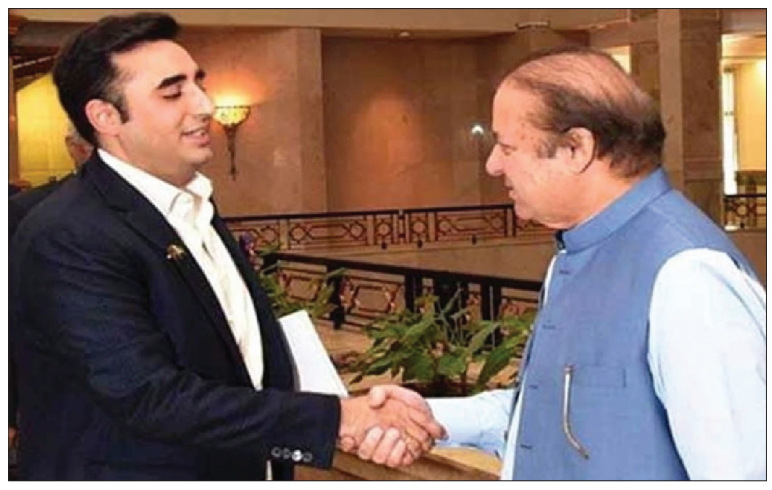

भुट्टो को प्रधानमंत्री बनाने के मुद्दे पर अड़ी हुई है। पाकिस्तान की मीडिया के अनुसार, नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज और बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने नई सरकार के गठन का फॉर्मूला तैयार किया है। इसके अनुसार दो प्रधानमंत्री होंगे। पहेल तीन साल नवाज शरीफ और फिर बिलावल भुट्टो को पीएम पद मिलेगा। बता दें कि पाकिस्तान चुनाव में पीएमएलएन को 75 सीटें मिली हैं। पीपीपी के हिस्से 54 सीट आई है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान ने 17 सीटों पर जीत दर्ज की है।

अमेरिकी चुनाव में तुरुप का पत्ता साबित हो सकती हैं मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट

बुडापेस्ट (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में 5 नवंबर को इसी साल चुनाव होने हैं। डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों ही चुनाव की तैयारी में जुट गए है। ऐसा लगता है कि आखिरी लड़ाई डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच होगी। अमेरिका चुनाव में इस बार मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट की चर्चा जोरों पर है। कई ट्रम्प समर्थक महसूस कर रहे हैं कि डेमोक्रेट अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए पॉप स्टार का समर्थन प्राप्त करने के लिए कर रहे हैं। अरबपति वैश्विक पॉप स्टार ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडेन का समर्थन किया जब उनका पहली बार ट्रम्प के खिलाफ मुकाबला हुआ। इस वर्ष की दौड़ में उस अभी तक किसी उम्मीदवार के समर्थन का ऐलान अभी तक नहीं किया गया है।

टेलर स्विफ्ट का समर्थन राष्ट्रपति पद की कड़ी दौड़ में मतदाताओं को प्रभावित कर सकता है। मतदान डेटा से पता चलता है कि ट्रम्प वर्तमान में एक काल्पनिक आमने-सामने के मैच में देश भर में बाइडेन से 2 प्रतिशत वोट से आगे चल रहे हैं। स्विफ्ट अपने फैन बेस के आधार के कारण राजनीतिक प्रभाव रखती है, जिसे स्विफ्टीज़ के नाम से जाना जाता है। वैश्विक स्तर पर उसके बिकने वाले संगीत समारोहों में यात्रा करके स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में अरबों का निवेश करती है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 18 प्रतिशत मतदाताओं का कहना है कि टेलर स्विफ्ट द्वारा समर्थित उम्मीदवार को वे वोट दें इसकी काफी संभावना है। जनवरी में कराए गए सर्वे में 45 फीसदी वोटरों ने कहा कि वे टेलर स्विफ्ट के प्रशंसक हैं और वे उस प्रत्याशी को वोट दे सकते हैं जिसका समर्थन टेलर स्विफ्ट करेंगी। बता दें कि टेलर स्विफ्ट की पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति नापसंदही जगजाहिर है। उन्होंने 2020 के एक ट्वीट में श्वेत वर्चस्व और नस्लवाद की आग भड़काने के लिए ट्रंप की निंदा की थी।

30 साल के संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत, अजरबैजान की गोलीबारी में 2 अर्मेनियाई सैनिक की मौत

आर्मेनिया ने आज कहा कि देश की अत्यधिक सैन्यीकृत सीमा पर अजरबैजान की गोलीबारी में उसके दो सैनिक मारे गए हैं, जो पिछले साल 30 साल से अधिक समय से चले आ रहे रुक-रुक कर युद्ध को समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के समझौते पर बातचीत शुरू होने के बाद पहली घातक घटना है। आर्मेनिया के रक्षा मंत्रालय ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि दक्षिणी अर्मेनियाई गांव नेरकिन हैंड के पास एक युद्ध चौकी पर उसके दो सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। अज़रबैजान की सीमा सेवा ने एक बयान में कहा कि उसने एक 'उकसावे' के प्रतिशोध में 'बदला लेने की कार्रवाई' की, जैसा कि अर्मेनियाई बलों ने एक दिन पहले कहा था। इसमें कहा गया है कि आगे के उकसावे का जवाब अब से अधिक गंभीर और निर्णायक उपायों से दिया जाएगा। आर्मेनिया का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व इस घटना के लिए पूरी तरह ज़िम्मेदार है। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अर्मेनियाई बलों ने सोमवार शाम को नेरकिन हैंड से लगभग 300 किमी दूर सीमा के उत्तर-पश्चिमी खंड पर बाकू के ठिकानों पर गोलीबारी की। आर्मेनिया के रक्षा मंत्रालय ने इस बात से इनकार किया है कि ऐसी कोई घटना हुई है। नागोर्नो-काराबाख को लेकर अर्मेनिया और अजरबैजान तीन दशकों से अधिक समय से संघर्ष में बंद हैं। सितंबर में अज़रबैजान ने ज़बरदस्त हमले में काराबाख को वापस ले लिया, जिससे क्षेत्र के लगभग सभी अर्मेनियाई निवासियों का तेजी से पलायन हुआ, और संघर्ष को औपचारिक रूप से समाप्त करने के लिए एक संधि के लिए दोनों पक्षों की ओर से नए सिरे से दबाव पड़ा।

नीदरलैंड के पूर्व पीएम ने पत्नी के हाथ में हाथ डाले ली अंतिम सांस

कीव (एजेंसी)। नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी ने जो किया, वो सदियों याद किया जाएगा। प्रेम करने वालों के लिए हमेशा मिसाल की तरह होगा। दोनों ने प्रेम किया, शादी की और जब मौत की तारीख नजदीक दिखी तो हाथ में हाथ डाले अंतिम सांस भी साथ ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नीदरलैंड्स के पूर्व प्रधानमंत्री ड्रीस वैन एग्ट 2019 में फिलिस्तीनियों के एक कार्यक्रम में भाषण दे रहे थे। उसी वक?त उन्हें ब्रेन हेमरेज हुआ और फिर कभी वे पूरी तरह ठीक नहीं हो पाए। उनकी पत्नी यूजिनी वान एग्ट-क्रेकेलबर्ग उनके साथ रहीं। हरपल उनकी सेवा करती रहीं। मगर उम्र बढ़ने के साथ उनकी भी तबीयत बिगड़ती चली गई। चलना फिरना मुश्किल हो गया। दोनों एक दूसरे के बिना नहीं रह सकते थे। सोचा साथ जी नहीं सकते, तो साथ मर तो सकते हैं। इसीलिए दोनों ने इच्छामृत्यु चुनी। 93 साल की उम्र में ड्रीस वैन एग्ट और उनकी पत्नी यूजिनी ने कानून के मुताबिक इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया और 5 फरवरी को दोनों ने अपने घर के अंदर एक दूसरे के हाथ में हाथ डाले आखिरी सांस ले ली। मानवाधिकार संगठन के मुताबिक वह अपनी पत्नी यूजिनी वान के साथ और हाथों में हाथ डालकर मरे, जिनके साथ वह 70 साल से अधिक समय तक रहे। दोनों को डुओ थूथेनेसिया दिया गया। यह एक घातक इंजेक्शन होता है, जिसे लेने के तुरंत बाद किसी की भी मौत हो जाती है। नीदरलैंड में इच्छामृत्यु कानून है, जिसके तहत गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग कानूनी तौर पर इच्छामृत्यु के लिए आवेदन कर सकते हैं। दोनों को उनके गृहनगर निजमेगेन में एक निजी समारोह में दफनाया गया। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि दोनों की ही उम्र 93 साल थी। ड्रीस का 93वां जन्मदिन इसी 2 फरवरी को था।

ट्रंप ने अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन को धमकी देकर सैनिकों को खतरे में डाला

वाशिंगटन (एजेंसी)। नाटो देशों के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हाल के चुनाव प्रचार रैली में एक सदस्य देश के लिए बेतुका बयान देकर संगठन के भविष्य को कमजोर करने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने कहा था कि आप भुगतान मत कीजिए, हम आपकी रक्षा नहीं करते। ट्रंप ने हाल ही में एक प्रचार अभियान के दौरान नाटो के भविष्य के बारे में आशंकाएं जताई थीं, जिसके बाद स्टोलटेनबर्ग ने दुनियाभर के नेताओं को चेतावनी जारी की। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ट्रंप ने कुछ नाटो देशों की यह कहकर आलोचना की थी कि वे कथित तौर पर उन लक्ष्यों को पूरा नहीं करते, जिनके लिए संगठन बनाया गया था। उन्होंने दक्षिण कैरोलिना की एक रैली में कहा कि गठबंधन में शामिल देशों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी जीडीपी का कम से कम 2 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करेंगे। ट्रंप ने विशेष रूप से उस बातचीत को याद किया, जिसके बारे में उनका दावा है कि वह उस समय एक देश

के राष्ट्रपति के साथ हुई थी, जब वह पद पर थे। उन्होंने कहा कि एक बड़े देश के राष्ट्रपतियों में से एक ने खड़े होकर कहा कि ठीक है सर, अगर हम भुगतान नहीं करते हैं और रूस हम पर हमला करता है, तो क्या आप हमारी रक्षा करेंगे? एक बयान में कहा गया कि ट्रंप का हमला नागरिकों और सैनिकों, दोनों को खतरे में डाल सकता है।

स्टोल्टेनबर्ग ने बयान में कहा कि कोई भी सुझाव कि सहयोगी एक-दूसरे का बचाव नहीं करेंगे, अमेरिका सहित हमारी पूरी सुरक्षा को कमजोर कर देगा और अमेरिकी और यूरोपीय सैनिकों को खतरे में डाल देगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिका एक मजबूत और प्रतिबद्ध नाटो सहयोगी बना रहेगा। नाटो के चार्टर के अनुसार यदि सदस्यों पर हमला होता है तो उन्हें दूसरों की मदद के लिए आगे आना होगा। ट्रंप के हालिया बयान की अमेरिका की सीमाओं के भीतर भी आलोचना हुई। राष्ट्रपति जो बाइडेन की चुनाव प्रचार टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि अगर मेरे प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप सत्ता हासिल करने में सक्षम हैं, तो वह स्पष्ट करें कि अगर रूस हमला करता है तो वह हमारे नाटो सहयोगियों को यह अनुमति देंगे कि वे जो चाहें करें। दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली जो 2024 जीओपी नामांकन के लिए ट्रंप के खिलाफ दौड़ में हैं, ने कहा कि नाटो पिछले 75 वर्षों की सफलता की कहानी है। अब हम चाहते हैं कि नाटो सहयोगी अपना वजन कम करें। लेकिन ऐसे तरीके हैं, जिनसे आप वहां बैठे बिना और रूस को यह बताए बिना कि इन देशों के साथ अपने तरीके से काम कर सकते हैं, ऐसा कर सकते हैं।

पाकिस्तान में किसी भी सरकार बने, हम साथ काम करने के लिए तैयार: अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तान में आम चुनावों के बाद किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने पर नेताओं की खरीद-फरोख्त संबंधी अफवाहों और नेशनल असेंबली की सीट पर परिणाम घोषित करने में हुई देरी के बीच अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका, पाकिस्तान में सत्ता में आने वाली किसी भी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को हुए आम चुनाव के परिणामों में देरी के लिए मतदान वाले दिन इंटरनेट और मोबाइल सेवाओं के निलंबन को जिम्मेदार ठहराया जबकि उसने पहले कहा था कि चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) इंटरनेट पर निर्भर नहीं है और इंटरनेट बंद होने से काम प्रभावित नहीं होगा। आयोग ने दावा किया कि परिणामों में देरी से ''किसी विशिष्ट राजनीतिक दल'' को नुकसान नहीं हुआ है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अभी तक कोई नयी पाकिस्तानी सरकार बनी है। मेरा मानना है कि सरकार के गठन को लेकर अब भी चर्चा जारी है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन एक बात हमने चुनावों से पहले कही थी और हम फिर से स्पष्ट करेंगे कि पाकिस्तानी लोग जिसे भी अपना प्रतिनिधि चुनेंगे, हम उस सरकार के साथ काम करेंगे।'' मिलर ने पाकिस्तान के चुनावों के दौरान मतों से छेड़छाड़ के आरोपों के बारे में सवाल किए जाने पर कहा, ''जहां तक धांधली के आरोपों का सवाल है, तो हम चाहेंगे कि इसकी पूरी जांच हो।''

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमें जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने101सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर तकनीकी रूप से संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 54 सीट मिलीं, जबकि विभाजन के दौरान भारत से आए उर्दू भाषी लोगों की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीट मिली हैं। बाकी 12 सीट पर अन्य छोटे दलों ने जीत हासिल की। पीटीआई ने शुरू में सरकार बनाने का दावा किया था, लेकिन उसकी

संभावनाएं बाद में कमजोर पड़ने लगीं। सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी को प्रत्यक्ष मतदान से निर्वाचित 133 सदस्यों के समर्थन की जरूरत होगी। कुल मिलाकर, साधारण बहुमत हासिल करने के लिए 336 में से 169 सीट की आवश्यकता है, जिसमें महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित सीट भी शामिल हैं।

7 बार वारंट देने के बाद भी कोर्ट नहीं पहुंची जयप्रदा,अब पुलिस करेगी गिरफ्तार

रामपुर। बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा के खिलाफ रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में दो मामले चल रहे हैं। इनमें से एक कैमरी में और दूसरा केस थाना स्वार में चल रहा है। दोनों मामले लोकसभा चुनाव 2019 में आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े हुए हैं। इन मुकदमों में अदालत में मामले लंबित हैं, क्योंकि

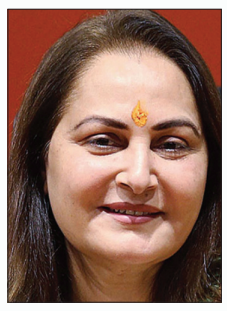

जयाप्रदा कोर्ट में पेश नहीं हो रही हैं। उनके खिलाफ अब 7वीं बार एनबीडब्लू (गैर जमानती) वारंट जारी किए जा चुका है। इसके वाबजूद भी वह कोर्ट में हाजिर नहीं हो रही हैं। रामपुर कोर्ट ने एसपी को सख्त आदेश दिए हैं। आदेश में जयाप्रदा को तलाश कर उन्हें कोर्ट में पेश करने की बात कही गई है, लेकिन बीते कई महीनों से पुलिस को एक्ट्रेस की लोकेशन ही पता नहीं चल पा रही है। ऐसे में कोर्ट ने एक बार फिर एनबीडब्ल्यू जारी किया है। अब मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी। जयाप्रदा को रामपुर पुलिस लंबे समय से तलाश रही है। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अभिनेत्री के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह 7वीं बार है, जब पुलिस ने एक्ट्रेस के खिलाफ वारंट जारी किया है। पुलिस उनकी तलाश प्रदेश के अलावा भी अन्य इलाकों में भी की जा चुकी है, लेकिन अब तक पुलिस को सफलता नहीं मिल पाई है। जया प्रदा पर साल 2019 के लोकसभा चुनाव में आरोप लगे. जयाप्रदा बीजेपी की टिकट पर रामपुर सीट से चुनाव लड़ रही थीं। इस दौरान उनके खिलाफ पहला मामला स्वार थाने में दर्ज हुआ। जिसमें आरोप है कि उन्होंने आचार संहित लागू होने के बावजूद नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन किया। इसके अलावा दूसरा मामला केमरी थाने का है। इसमें आरोप है कि जयाप्रदा ने पिपलिया मिश्र गांव में आयोजित जनसभा में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दोनों मामलों में रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

सनी देओल, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे सांसद बहस तो दूर संसद में चूं तक नहीं करते

नई दिल्ली। संसद में मेज थपथपाना, बिल लाना, चर्चा बढ़ना, बहस करना जैसी कई गतिविधियां होती हैं, लेकिन सनी देओल और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे सांसद बहस तो दूर की बात है वह तो चूं तक नहीं करते हैं। हालांकि इसमें कुछ नया भी नहीं है और अधिकांश सांसद सत्र में शामिल भी नजर आते हैं। अब इनमें कुछ सदस्य ऐसे भी हैं, जो बहस तो दूर की बात, बल्कि चुप्पी साधे बैठे रहते हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी से सांसद सनी देओल से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शत्रुघ्न सिन्हा तक का नाम शामिल है। कहा जा रहा है कि ऐसे सांसदों की संख्या करीब 9 है, जो पूरे 5 सालों के कार्यकाल के दौरान सदन को एक बार भी संबोधित नहीं कर सके। गुरदासपुर से सांसद सनी देओल का नाम भी इस सूची में है। हालांकि, असनसोल सांसद शत्रुघ्न सिन्हा कुछ मौकों पर संसद में नजर भी आए। साथ ही वह विपक्षी सांसदों की तरफ से किए जा रहे प्रदर्शनों का हिस्सा भी बने। लेकिन इस दौरान शत्रुघ्न सिन्हा ने एक बार भी कोई सवाल दाखिल नहीं किया। साथ ही वह अपने क्षेत्र से जुड़े मुद्दे को उठाने में भी असफल रहे। बता दें कि सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं होने वाले सांसदों में बीजापुर से भाजपा सांसद रमेश चंद्रप्पा जीगाजिनागी, बहुजन समाज पार्टी से अतुल राय, टीएमसी के दिब्येंदु अधिकारी और भाजपा से ही प्रधान बरुआ, बीएन बचे गौड़ा, अनंत कुमार हेगड़े और वी श्रीनिवास प्रसाद का नाम शामिल है। हालांकि अब ओम बिरला कुछ ऐसे प्रयास कर रहे हैं जिनसे इनकी चुप्पी पर विराम लगेगा। खबर है कि लोकसभा स्पीकर बनने के बाद से ही ओम बिरला ने पहली बार बने सांसदों की सूची तैयार की थी। उन्होंने सभी को कम से कम एक बार सदन में बोलने के लिए प्रेरित भी किया था। हालांकि, उनके तमाम प्रयासों के बाद भी ऐसे कई सांसद रहे जिन्होंने संसद में एक बार भी भाषण नहीं दिया।

श्रीलंका में गिरफ्तार 18 भारतीय मछुआरे स्वदेश लौटे

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा हाल में गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के 18 भारतीय मछुआरे मंगलवार को स्वदेश लौट आए। मछुआरे कोलंबो से विमान के जरिए यहां पहुंचे और तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मछुआरों को पिछले महीने समुद्री नियमों के उल्लंघन के आरोप में श्रीलंका की नौसेना ने गिरफ्तार किया था और वहां की जेल में बंद कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि एक स्थानीय अदालत ने इस महीने की शुरुआत में उनकी रिहाई का आदेश दिया था, जिसके बाद उन्हें वहां एक शिविर में रखा गया था। राज्य सरकार ने मछुआरों के लिए वाहन की व्यवस्था की थी जिसके जरिए वे सड़क मार्ग से रामनाथपुरम रवाना हुए।

कर्नाटक : स्कूल ने कथित हिंदू विरोधी टिप्पणी के लिए शिक्षिका बर्खास्त

मंगलुरु (कर्नाटक)। मंगलुरु के एक निजी स्कूल में छात्रों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में एक शिक्षिका को बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेंट गेरोसा हायर प्राइमरी स्कूल के प्रबंधन ने सातवीं कक्षा के छात्र के माता-पिता की शिकायत और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के हंगामे के बाद यह कार्रवाई की। छात्र के माता-पिता ने सोमवार को मंगलुरु दक्षिण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई कि शिक्षिका ने 'कार्य ही पूजा है' विषय पर कक्षा के दौरान हिंदू देवताओं के बारे में कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाजपा विधायक भरत शेट्टी वाई और वेदव्यास कामथ ने इस मुद्दे को उठाया था और शिक्षिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। शेट्टी ने एक बयान में कहा कि ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है और कुछ स्कूल छात्रों के बीच हिंदू विरोधी भावनाएं फैला रहे हैं। उन्होंने हिंदुओं से ईसाई प्रबंधन द्वारा संचालित स्कूलों में अपने बच्चों का दाखिला कराने पर पुनर्विचार करने का भी आग्रह किया। आरोप है कि शिक्षिका ने छात्रों से कहा था कि महाभारत और रामायण 'काल्पनिक' हैं और उसने बच्चों में 'हिंदू विरोधी' भावनाएं पैदा करने की कोशिश की। स्कूल ने सोमवार देर रात स्कूल के अभिभावकों को संबोधित एक पत्र में कहा कि शिक्षिका को उसके पद से हटाया जा रहा है और उनके स्थान पर एक नए शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का बड़ा ऐक्शन, पंजाब के 2 मजदूरों की हत्या करने वाला आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक आतंकवादी की गिरफ्तारी के साथ श्रीनगर में प्रवासी श्रमिकों की हत्या के मामले को सुलझा लिया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को कहा कि पिछले हफ्ते श्रीनगर में पंजाब के दो प्रवासी मजदूरों की हत्या करने वाले आदिल मंजूर लंगू को गिरफ्तार कर लिया गया है। वारदात में इस्तेमाल हथियार पिस्तौल भी बरामद कर लिया गया है। पंजाब के दो गैर-स्थानीय निवासियों को 7 फरवरी को श्रीनगर के शाल कदल इलाके में गोली मार दी गई थी। एक अमृतपाल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे रोहित मासी को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। 7 फरवरी की घटना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा वर्ष की पहली लक्षित हत्या थी और इसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ)' ने ली थी, जो पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का एक छाया समूह है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, आईजीपी कश्मीर वीके बर्डी ने कहा कि लंगू सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में था और उसे श्रीनगर में कुछ आतंकी हमले करने का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि श्रीनगर पुलिस ने तकनीकी और क्षेत्रीय विश्लेषण के आधार पर कुछ संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया। जांच के दौरान एकत्र किए गए ठोस सबूतों के आधार पर, मुख्य आरोपी श्रीनगर के ज़ल्डागर निवासी आदिल मंजूर लंगू की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी को पाकिस्तान के एक हैंडलर ने 'श्रीनगर में कुछ आतंकी हमले करने का निर्देश दिया था।' हैंडलर ने उसे हथियार मुहैया कराया। पुलिस ने आगे कहा कि आरोपी बेहद प्रेरित और कट्टरपंथी व्यक्ति था। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान में उसके हैंडलर ने सोशल मीडिया पर उसे कट्टरपंथी बनाया और आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए प्रेरित किया। साजिश को आगे बढ़ाने के लिए, हैंडलर ने उसे हथियार उपलब्ध कराया जिसके बाद उसने उसे हमले को अंजाम देने के लिए प्रेरित किया।

'जब विपक्ष कमजोर होता है तो देश में तानाशाहों का जन्म होता है', राकेश टिकैत का मोदी सरकार पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसानों के प्रदर्शन के बीच किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि जब देश का विपक्ष कमजोर होता है तो देश में तानाशाहों का जन्म होता है। सब राजनीतिक पार्टीयां एक हैं। सत्ता वाले भी और विपक्ष वाले भी। उन्होंने कहा कि ये अपनी सरकार बचाएं... जब देश का राजा ही ये कह रहा है कि हम 400 सीट जीतेंगे तो फिर देश में चुनाव की जरूरत कहां रह गई?... आप इसी चुनाव का नवीकरण कर लीजिए। आप क्यों देश को पागल बना रहे हैं?

राकेश टिकैत ने कहा कि देश में बड़ी पूंजीवाद कंपनिया हैं... उन्होंने एक राजनीतिक पार्टी बना ली है और इस देश पर कब्जा कर लिया है। ऐसे में दिक्कते आएंगी ही... अगर उनके (किसान) साथ कोई अन्याय हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार ने उनके लिए कोई दिक्कत पैदा की तो ना वो किसान हमसे ज्यादा दूर हैं और ना दिल्ली हमसे ज्यादा दूर है। हरियाणा पुलिस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने की मांग कर रहे किसानों के दिल्ली कूच करने के बीच अंबाला के समीप शंभू में पंजाब से लगती सीमा पर लगाए अवरोधक तोड़ने की कोशिश करने वाले किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुछ किसानों को शंभू सीमा के समीप हिरासत में भी लिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च में शामिल युवाओं के एक समूह ने अंबाला में शंभू सीमा पर लगाए अवरोधक तोड़ने की कोशिश की जिसके बाद हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। जब कुछ युवाओं ने लोहे के अवरोधक तोड़े और इसे घग्घर नदी पुल से फेंकने की कोशिश की तो पुलिस को आंसू गैस के कई गोले छोड़ने पड़े। उन्होंने बाद में आंसू गैस का गोला गिराने के लिए एक ड्रोन का भी इस्तेमाल किया। किसानों ने फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी देने समेत अन्य मांगों को लेकर दो केंद्रीय नेताओं के साथ बैठक बेनतीजा रहने के बाद दिल्ली की ओर कूच करने का फैसला किया।

आतंकी पन्नू का बयान, मोदी हाउस पर खालिस्तानी झंडा लगाओ

नई दिल्ली। किसानों के आंदोलन के बावजूद आतंकी पन्नू ने उकसाने बाला बयान जारी किया है। उसने वीडियो में कहा कि मोदी हाउस पर खालिस्तानी झंडा लगाओ। बता दें कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से किसानों के राजधानी तक मार्च को रोकने के लिए की गई व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के कारण मंगलवार को दिल्ली में यातायात अराजकता फैल गई। अधिकारियों ने आंदोलन और सार्वजनिक समारोहों को प्रतिबंधित करने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी। वहीं किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान की आड़ में मोस्ट वांटेड टेररिस्ट गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वार फिर भड़काऊ विडियो जारी किया है। जबकि विडियो का संज्ञान लेते हुए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब पुलिस के साथ ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। अंदेशा है कि किसान आंदोलन की आड़ लेकर देश विरोधी तत्व माहौल खराब करने की कोशिश करेंगे। हालांकि पुलिस को शरारती तत्वों के साथ खासकर सीएए-एनआरसी प्रोटेस्ट के दौरान सक्रिय रहे संदिग्धों पर शिकंजा कसने को कहा गया है। वहीं प्रतिबंधित आतंकी संगठन एसएफजे चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने विडियो में 13 फरवरी को देश विरोध तत्वों को दिल्ली फतह करने के साथ ही आपत्तिजनक बातें कहीं हैं। खुफिया रिपोर्ट के मुताविक 10 से 15 हजार किसान अपने 1000 ट्रैक्टर के साथ दिल्ली की तरफ कूच करने की बात कही गई। लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को देखते हुए पुलिस के आला अफसरों ने हर थाना एरिया में पांच से छह टायर किलर तैयार रखने को कहा है।

'किसानों पर गोलों की बौछार, ये कैसा अमृतकाल...', अखिलेश-ममता का भाजपा सरकार पर बड़ा वार

मुंबई (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने किसान आंदोलन को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि किसानों के मार्च को रोकने के लिए आंसूगैस का इस्तेमाल, और (सीमाओं पर) कीलें और बैरिकेड्स लगाना, सब कुछ किया जा रहा है। (केंद्र) सरकार किसानों की आवाज दबाना चाहती है। ये (केंद्र) के वही लोग हैं जिन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने, फसल दर और एमएसपी लागू करने का वादा किया था। इससे अलावा उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि भाजपा राज में ये है भला कैसा अमृतकाल। किसानों पर आँसू गैस के गोलों की बौछार। धिक्कार! धिक्कार!! धिक्कार!!!

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हरियाणा में प्रदर्शनकारी किसानों पर आंसू गैस के गोले दागने की निंदा करते हुए इसे कृषकों पर 'भाजपा का बर्बर हमला' करार दिया। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'जब अपने मौलिक अधिकारों के लिए लड़ने पर किसानों पर आंसू गैस के गोलों से हमला किया जाएगा तो हमारा देश कैसे तरक्की कर सकता है? मैं भाजपा द्वारा हमारे किसानों पर बर्बर हमले की कड़ी निंदा करती हूं।' उन्होंने कहा, 'उनके विरोध को दबाने के बजाय, भाजपा को अपने बढ़े हुए अहंकार, सत्ता की भूख की महत्वाकांक्षाओं और

निष्प्रभावी शासन को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिसने हमारे देश को नुकसान पहुंचाया है।'

किसानों के 'दिल्ली चलो' विरोध मार्च में शामिल युवाओं के एक समूह ने मंगलवार को अंबाला में शंभू बॉर्डर पर लगाए गए बैरिकेड को तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कुछ किसानों ने ट्रैक्टर की मदद से सीमेंट के अवरोधक हटाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा बैरिकेड से दूर रहने की अपील के बावजूद, कई युवा पीछे नहीं हटे और बैरिकेड के ऊपर खड़े रहे। उन्होंने बताया कि जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने लोहे का बैरिकेड तोड़ दिया और उसे घग्गर नदी के पुल से नीचे फेंकने की कोशिश की, तो पुलिस ने आंसू गैस के कई गोले छोड़े।

गोपालगंज में एआईएमआईएम नेता की गोली मारकर हत्या, लड़ चुके थे चुनाव, नीतीश पर भड़के ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के गोपालगंज जिले में सोमवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता अब्दुल सलाम की गोली मारकर हत्या कर दी। सलाम दिसंबर के बाद से बिहार में मारे जाने वाले दूसरे एआईएमआईएम नेता हैं। सलाम, जिन्होंने नवंबर 2022 में गोपालगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव लड़ा था, असफल रहे, ट्रेन पकड़ने के लिए जा रहे थे, जब दो मोटरसाइकिलों पर चार हमलावरों ने उन पर गोलीबारी की, क्योंकि वह एक रिश्तेदार के साथ पीछे बैठे थे। पुलिस ने कहा कि सलाम को अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना की। औवैसी ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में हमारे सीवान जिला अध्यक्ष आरिफ जमाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. नीतीश कुमार, जब कुर्सी बचाने की होड़ पूरी हो जाए तो कुछ काम कीजिए। हमारे नेता ही निशाने पर क्यों? क्या उनके परिवारों को न्याय मिलेगा? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने तोहफा दिया। गोपालगंज में हमारी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता अब्दुल सलाम की हत्या कर दी गई है... सिवान में भी दो महीने पहले हमारी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता की हत्या कर दी गई थी। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि नीतीश कुमार के शासन में कानून व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। वहां राजद नहीं बल्कि भाजपा है लेकिन कानून एवं व्यवस्था का मुद्दा अभी भी जारी है। दुर्भाग्य से, सरकार द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है... जिम्मेदारी सरकार की है। एआईएमआईएम के बिहार प्रवक्ता आदिल हसन आज़ाद ने सलाम को राजनीतिक रूप से अपनी पहचान बनाने वाला एक गैर-विवादास्पद और ईमानदार नेता बताया।

सीएम एन बीरेन सिंह का बड़ा बयान, बोले- 1961 के बाद मणिपुर में बसने वालों को निकालेंगे बाहर

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि 1961 के बाद राज्य में आने वाले किसी भी व्यक्ति की पहचान की जाएगी और उसे निर्वासित किया जाएगा, चाहे वह किसी भी जाति या समुदाय का हो। आपको बता दें कि पड़ोसी देशों से चिन कुकी जनजाति के अवैध अप्रवासी भी राज्य में उचित दस्तावेजों के बिना रह रहे हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा जारी एक बयान में, बीरेन सिंह ने कहा कि 1961 के बाद दुनिया के अन्य हिस्सों से राज्य में आने वाले किसी भी व्यक्ति की पहचान की जाएगी और उसे निर्वासित किया जाएगा।

सीएम सिंह ने कहा कि मणिपुर की मूल आबादी का पता लगाने और अवैध प्रवासियों का पता लगाने के लिए जनसंख्या आयोग का गठन किया गया है। जनसंख्या आयोग के सदस्य आईएलपी और 1961 को आधार वर्ष मानकर घर-घर जाकर जनसंख्या सर्वेक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि जनसंख्या की दो श्रेणियां होंगी-स्वदेशी और स्थायी निवासी। जो लोग 1961 से पहले मणिपुर आए, उन्हें स्थायी निवासी माना जाएगा। जो लोग 1961 के बाद आये, उन्हें स्थायी निवासी नहीं माना जायेगा।

राज्य सरकार ने राज्य में विभिन्न परमिटों को पंजीकृत करने, डेटा संग्रह, ट्रैकिंग और आईएलपी की निगरानी के लिए आईएलपी पोर्टल भी लॉन्च किया। आईएलपी एक आधिकारिक यात्रा दस्तावेज है जो राज्य सरकार द्वारा एक विशिष्ट अवधि के लिए मणिपुर जाने वाले भारतीय नागरिक की आंतरिक यात्रा की अनुमति देने के लिए जारी किया जाता है। एन बीरेन सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य में पोस्त की अवैध खेती को खत्म करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सचिवालय में बृहस्पतिवार को इस खतरे को खत्म करने के उपायों और नई रणनीतियों पर विचार-विमर्श के लिए एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

अमेठी, रायबरेली और वाराणसी में राहुल के साथ यात्रा में शामिल होंगी प्रियंका गांधी

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मणिपुर, इंफाल से शुरू होकर नागालैंड, आसाम, अरुणचाल,पश्चिम बंगाल, विहार,झारखण्ड व अन्य राज्य होते हुए देश के 15 राज्यों से गुजरने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा 19 फरवरी को अमेठी पहुंचेगी।जहां कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी शामिल होंगी। गौरीगंज के बाबूगंज में राहुल गांधी जनसभा को संबोधित करेंगे। न्याययात्रा तेंदुआ में रात्रि विश्राम करेगी। इसको लेकर तैयारी पूरी करने का दावा किया गया है। अमेठी के अलावा प्रियंका गांधी वाराणसी और रायबरेली के कार्यक्रमों में भी रह सकती हैं। वाराणसी में राहुल गांधी काशी विश्वनाथ के दर्शन करेंगे तो वहीं रायबरेली में एक बड़ी जनसभा का आयोजन होना है।

प्रदेश महासचिव योगेंद्र मिश्र ने न्याय यात्रा कार्यक्रम की रूपरेखा और मार्ग की जानकारी दी। बताया कि राहुल गांधी अटेहा से अमेठी कस्बा, सगरा तिराहा, बरामासी, ताला, टिकरिया बाईपास के रास्ते स्टेट बैंक, वी मार्ट, गौरीगंज कस्बा होते हुए बाबूगंज (निकट टोल प्लाजा) पहुचेंगी। यहां पर जनसभा होगी। इसके बाद तेदुआ में यात्रा रात्रि विश्राम करके 20 फरवरी को रायबरेली के लिए रवाना होगी। राहुल

गांधी की न्याय यात्रा 16 फरवरी को चंदौली से प्रदेश की सीमा में प्रवेश करेगी और पड़ाव में रात्रि विश्राम करेगी। अगले दिन 17 को वाराणसी के गोलगड्डा मंदिर मार्ग से यात्रा शुरू होगी। इसी दिन प्रियंका गांधी के भी यात्रा में शामिल होने की उम्मीद है। इसके बाद यह यात्रा भदोही, प्रतापगढ़ होते हुए 19 को अमेठी पहुंचेगी। 20 को फुर्सतगंज से यात्रा शुरू होगी, फिर रायबरेली होते हुए लखनऊ पहुंचेगी। इन दोनों दिन भी प्रियंका गांधी उपस्थित रह सकती हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि प्रियंका गांधी से यूपी की पूरी यात्रा में मौजूद रहने की अपील की गई है। फिलहाल अभी एक से दो दिन उनकी मौजूदगी रहने की उम्मीद है। कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि दोनों नेताओं के मद्देनजर स्थानीय स्तर पर नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है।

गौरीगंज स्थित पार्टी कार्यालय पर बैठक में रायबरेली सांसद सोनिया गांधी के प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया। कहा कि यात्रा मणिपुर, इंफाल से शुरू होकर नागालैंड, आसाम, अरुणचाल,पश्चिम बंगाल, विहार,झारखण्ड व अन्य राज्य होते हुए देश के 15 राज्यों से गुजरने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा 19 फरवरी को अमेठी पहुंचेगी। कहा कि अमेठी गांधी परिवार की कर्मभूमि है। ऐसे में सभी की निगाहें अमेठी में यात्रा के पहुंचने के बाद सफलता पर टिकी है। पूर्व मंत्री व प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि अमेठी में यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी भी मौजूद रहेंगी। संगठन प्रभारी मकसूद खान ने कहा संपूर्ण देश की निगाहें न्याय यात्रा को लेकर अमेठी की ओर है। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि संसदीय क्षेत्र के हर घर पर जाकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा का संदेश दें। बैठक में पूर्व एमएलसी दीपक सिंह, अनिल सिंह, आशीष शुक्ल, डॉ अरविंद चतुर्वेदी, सेवादल,महिला कांग्रेस,युवक कांग्रेस,छात्र संगठन,अल्पसंख्यक सहित अन्य फ्रंटल संगठनों ने समेत सभी 17 ब्लॉक अध्यक्ष मौजूद रहे।

पहाड़ों से उतरेगी ठंड, मैदानी इलाकों में होगी बारिश, यूपी, एमपी और बिहार सहित कई राज्यों में गिरेंगे ओले

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक जहां शीतलहर और कोहरे की मार से लोग परेशान थे। वहीं, अब जाती हुई ठंड लोगों को और भी सताने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लेकर कई पहाड़ी इलाकों में बारिश के आसार हैं। उत्तरप्रदेश-बिहार सहित कई राज्यों के मौसम को लेकर भविष्यवाणी की है कि मंगलवार को कई राज्य में बारिश और छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है। सर्द हवाओं और कड़ाके की सर्दी के बाद एक बार फिर ठिठुरन वाली ठंड आपको सता सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ों से लेकर उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम ने उत्तर प्रदेश-बिहार और मध्य प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना जताई है। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी बारिश और ओलावृष्टि को लेकर मौसम विभाग ने चेतावनी दी है।

उत्तराखंड के मौसम में बदलाव देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आज यानी मंगलवार को चोटियों पर हल्की बर्फबारी की संभावना जताई है। वहीं आसपास के क्षेत्रो में हल्की बारिश हो सकती है। जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है। उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने बारिश को लेकर कई अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, आंधी-बिजली और तेज हवाओं के साथ 14 फरवरी को बिहार में बारिश हो सकती है। बिहार के अलावा, 14 फरवरी को गंगीय पश्चिम बंगाल में रहेगी। वहीं ओडिशा में 15 और 16 फरवरी को, उत्तर प्रदेश में 14 फरवरी के दौरान बारिश का अनुमान है।

राजधानी दिल्ली में सुबह हल्का कोहरा रहा। सर्द हवाओं के साथ बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार व बुधवार को दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 9 से 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इसके अलावा दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि भी संभव है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की भी संभवाना जताई है। तमिलनाडु में हल्की बारिश संभव है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उधना रेलवे स्टेशन से "आस्था स्पेशल ट्रेन" को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या रवाना किया

सूरत लोकसभा क्षेत्र से १३४४ राम भक्ततीर्थयात्रियों ने उधना रेलवे स्टेशन से प्रस्थान किया

उधना रेलवे स्टेशन से आस्था स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाते स्थानिय नेता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रधान मंत्री नरेंद्रभाई मोदी के हाथों भगवान श्री रामचन्द्र जी की जन्मस्थली श्री अयोध्या धाम में निर्मित श्री राम मंदिर के उद्घाटन के बाद प्रतिदिन लाखों भक्त प्रभु श्री राम लला के दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं। रेलवे प्रशासन ने राम भक्तों की सुविधा के लिए प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र से एक विशेष च्आस्था स्पेशल ट्रेनज का भी आयोजन किया है। आज १३-०२-२०२४, मंगलवार को शाम ६ञ्०० बजे, २४-सूरत लोकसभा क्षेत्र से लगभग १३४४ राम भक्त तीर्थयात्रियों को लेकर सूरत के उधना रेलवे स्टेशन से प्रस्थान किया गया। २४-सूरत लोकसभा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री दर्शनाबेन जरदोश, सूरत शहर भाजपा अध्यक्ष निरंजन झांझमेरा, सूरत शहर प्रभारी श्रीमती शीतलबेन सोनी, महासचिव मुकेशभाई दलाल, किशोरभाई बिंदल और कालुभाई भीमनाथ ने श्रध्दालुओं का स्वागत किया। ये सभी श्रद्धालु श्री रामलला के दर्शन हेतु उत्साहपूर्वक रवाना हुए। इस अवसर पर २४-सूरत लोकसभा संयोजक डॉ. जगदीश पटेल, सत्ताख्ढ़ दल की नेता श्रीमती शशिबेन त्रिपाठी और बड़ी संख्या में सूरत शहर संगठन के नेता, निर्वाचित प्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपस्थित सभी नेताओं ने इस विशेष आस्था स्पेशल ट्रेन के प्रत्येक कोच में बैठे राम भक्त तीर्थयात्रियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए सभी तीर्थयात्रियों ने श्री राम जन्मभूमि के पुनर्निर्माण, श्री राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा और उनके दर्शन के लिए इतनी सुंदर सुविधा प्रदान करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र भाई मोदी , प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल और स्थानीय नेताओं को भी धन्यवाद दिया। राम भक्तों ने ध्वजा पटका और जय जय श्री राम के उद्घोष से नेताओं का स्वागत किया। कुछ बहनों ने नेताओं और श्रद्धालुओं के हाथों में जय श्री राम की मेहंदी रचाई। ट्रेन के रवाना होते ही पूरा माहौल उल्लासपूर्ण और भक्तिमय हो गया। जब नेताओं ने झंडा लहराया और ट्रेन को रवाना किया तो पूरा माहौल जय जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। पूरे कार्यक्रम के दौरान रेलवे प्रशासन ने भी बहुत सुंदर व्यवस्था की थी।

जेईई-मैन २०२४ सत्र-१ परीक्षा में नारायण कोचिंग सेंटर के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नारायण के ८ छात्रों ने १०० पर्सेन्टाइल और ६ छात्रों ने ३०० में से ३०० के पूर्ण स्कोर के साथ इतिहास रचा

सूरत के घोडदोड़ रोड स्थित देश के अग्रणी इंजीनियरिंग और मेडिकल कोचिंग संस्थान, नारायण ने एक बार फिर जेईई-मेन २०२४ सत्र-ढ्ढ में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं।

नारायण कोचिंग सेंटर के नेशनल एकेडेमिक हेड(राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रमुख), श्याम भूषण सर ने कहा कि, नारायण ने रिकॉर्डब्रेक आठ छात्रों ने कुल मिलाकर १०० पर्सेन्टाइल और छह छात्रों ने ३०० में से ३०० के पूर्ण स्कोर के साथ देश का नेतृत्व करते हुए इतिहास रचा है।

एम साई तेजा (१०० पर्सेन्टाइल, ३००/३००), शैक सूरज (१०० पर्सेन्टाइल, ३००/३००), आर्यन प्रकाश (१०० पर्सेन्टाइल, ३००/३००), एम. अनूप (१०० पर्सेन्टाइल, ३००/३००), रोहन साई पब्बा (१०० पर्सेन्टाइल, ३००/३००), एच. विदिथ (१०० पर्सेन्टाइल, ३००/३००), तव्वा दिनेश रेड्डी (१०० पर्सेन्टाइल) और अमोघ अग्रवाल (१०० पर्सेन्टाइल) नारायण के राष्ट्रीय स्तर के टॉपर्स हैं।

नारायणा वेस्ट जोन के प्रमुख नीतीश शर्मा और सूरत सेंटर के निदेशक कपिल चौहान ने इस उत्कृष्ट परिणाम के लिए सूरत सेंटर के सभी ग्यारह टॉपर्स को बधाई दी है।

रोमिल सोजित्रा (९९.८५ पर्सेन्टाइल), विराज पीठावा (९९.८१ पर्सेन्टाइल), मुकुंद राखोलिया (९९.७१पर्सेन्टाइल), जैमिन गांगानी (९९.६९ पर्सेन्टाइल), देवांग वैष्णव (९९.५८ पर्सेन्टाइल), जेन्या दोशी (९९.५२ पर्सेन्टाइल), श्रेया बैद (९९.५१ पर्सेन्टाइल), दिवम शाह (९९.३४ पर्सेन्टाइल), श्लोक पटेल (९९.१७ पर्सेन्टाइल), सिद्ध जैन (९९.१७ पर्सेन्टाइल) और यश मयूर मोदी (९९.११ पर्सेन्टाइल) सूरत शाखा के टॉपर हैं।

उन्होंने कहा कि, सूरत के सभी संस्थानों में हमारे पास ९९ पर्सेन्टाइल से अधिक वाले छात्रों का प्रतिशत सबसे अधिक है।

मोपेड पर जा रहे नवविवाहित जोड़े को ट्रक ड्राइवर ने टक्कर मार दी, पत्नी की मौत

लव मैरिज के बाद पहला वैलेंटाइन डे भी नहीं मना सका जोड़ा

पत्नी का दुपट्टा ट्रक के टायर में फंसकर कुचल गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक अजीब तरह का हादसा हुआ। सुबह नवविवाहित जोडा मोपेड से काम पर जा रहा था। रिंग रोड पर आइसर ट्रक चालक ने मोपेड को टक्कर मार दी। मोपेड चालक ने संतुलन खो दिया और पिछे बैठी पत्नी का दुपट्टा ट्रक के टायर में फंस गया जिससे वह गिर पड़ी और ट्रक का टायर उसके ऊपर चढ़ गया। उसे गंभीर हालत में सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस जोडे की दो माह पहले शादी हुई थी , शादी के बाद पहला वैलेंटाइन डे भी नहीं मना सके।

जानकारी के मुताबिक, शुभम पराते मूल रूप से नागपुर के रहने वाले हैं और सूरत के डिंडोली इलाके में बिलिया नगर सोसायटी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में माता-पिता और पत्नी दिव्या थीं। एक रिश्तेदार की बेटी दिव्या से दो महीने पहले ही शुभम की शादी हुई थी।

शुभम और दिव्या वराछा इलाके में मीट जेम्स में रत्नकलाकार का काम करते हैं। हमेशा की तरह आज सुबह करीब ०७ञ्२० बजे काम पर जाने के लिए मोपेड लेकर घर से निकले थे। इसी दौरान उधना दरवाजा ब्रिज से रिंग रोड की ओर जा रहे एक आइसर ट्रक चालक ने गलती से ट्रक चलाकर दंपती की बाइक को टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से मोपेड पर शुभम अपना संतुलन खो बैठा, जबकि दिव्या का दुपट्टा ट्रक के टायर में फंस गया, जिससे वह नीचे गिर गई। तभी ट्रक का पूरा टायर उसकी छाती और गर्दन पर चढ़ गया। पति ने ट्रक चालक का पीछा किया और दूर जाकर उसे रोक लिया। हालाँकि, वह भाग निकला। गंभीर रूप से घायल दिव्या को पास पहुंचने पर शुभम ने१०८ को सूचना दी गई। गंभीर हालत में दिव्या को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसकी जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। दिव्या की मौत से परिवार में मातम छा गया है। वहीं सलाबतपुरा पुलिस आगे की जांच कर रही है।

सारोली क्षेत्र के लुम्स खाते में लगी आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया

सूरत के सारोली इलाके में देर रात लम्स खाते में आग लग गई। आग लगने पर वहां भगदड़ मच गई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग मौके पर पहुंचा और सुबह तक आग पर काबू पा लिया। हालांकि अनुमान है कि आग से भारी नुकसान हुआ है।

लुम्स खाता सूरत के सारोली इलाके में स्थित है। जिसमें देर रात अचानक आग लग गई और भगदड़ मच गई। आज उग्र रूप धारण कर अग्निशमन विभाग की १४ गाड़ियों समेत काफिला भाग खड़ा हुआ। शहर के अलग-अलग फायर स्टेशनों की गाड़ियों समेत काफिले की मदद ली गई। साढ़े तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

सुबह तक आग पर पानी डाला जाता रहा। इसके बाद कूलिंग ऑपरेशन किया गया। बड़ी मात्रा में कपड़ा संग्रहित था। कपड़ा अधिक होने के कारण आग और भीषण हो गई। बड़ी मात्रा में कपड़ा और मशीनें जल गईं। ऐसे में लाखों के नुकसान का अनुमान है। हालांकि आग लगने का कारण सामने नहीं आया है और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

लाखों के नुकसान का अनुमान

प्यार का प्रतीक बनी काछिया स्ट्रीट, ससुराल और मायके भी उसी गली में

१८०० की आबादी वाली इस गली में अब तक करीब ८० जोड़ों की हो चुकी है शादी

सूरत शहर के सैयदपुरा इलाककि काछिया स्ट्रीट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लोगों के लिए वेलेंटाइन डे न केवल प्यार या प्यार का इजहार करने की जगह है, बल्कि यह एक ऐसी जगह है जहां हर दिन वेलेंटाइन डे मनाया जाता है। पुराना शहर (ओल्ड सिटी) सूरत की काछिया स्ट्रीट में एक नहीं, दो नहीं बल्कि करीब ८० से अ्धिक जोड़ों ने प्रेम विवाह किया है। इतना ही नहीं, ससुराल भी उसी गली में और मायके भी उसी गली में है।

सूरत के सैयदपुरा इलाके में काछिया स्ट्रीट जहां की आबादी १८०० से ज्यादा लोगों की है। जिसमें अधिकतर काछिया समाज के लोग रहते हैं। एक ही समाज से होने के कारण सभी एक-दूसरे से परिचित हैं और यही कारण है कि यहां के लोग ज्यादातर प्रेम विवाह में विश्वास करते हैं। आपको बता दें कि सूरत की इस कछिया गली को प्रेम गली के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं क्या है इस गली की खासियत और क्यों करते है प्रेम विवाह।

वैलेंटाइन डे एक दूसरे से प्यार का इजहार करने का मौका है। १४ फरवरी के दिन को न सिर्फ युवा बल्कि बुजुर्ग भी वैलेंटाइन डे के रूप में मनाते हैं। इस दिन हर कोई एक-दूसरे से अपने प्यार का इजहार करता है। प्यार की कोई सीमा या उम्र नहीं होती। कुछ लोगों का मानना है कि प्रेम विवाह ज्यादातर सफल नहीं होते हैं। लेकिन आज हम एक ऐसे क्षेत्र के बारे में बात करने जा रहे हैं, जहां पीढ़ी दर पीढ़ी प्रेम विवाह में विश्वास करते आ रहे हैं। आज भी यहां यह प्रथा संख्यात्मक रूप से चली आ रही है।

सूरत के सैयदपुरा इलाके की कछिया शेरी में आज भी लोग प्रेम विवाह में विश्वास करते हैं। काछिया समुदाय के १८०० से अधिक लोग यहां के कछिया गली में पिता और दादा के समय से रहते आ रहे हैं। खास बात यह है कि यहां पीढ़ी दर पीढ़ी लोग प्रेम विवाह करते आ रहे हैं। जहां आज भी इस गली में लगभग ८० से अधिक जोड़े ऐसे हैं जिनकी शादी हो चुकी है और आज भी वे शादीशुदा जिंदगी में अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रह रहे हैं।

यहां के लोगों का कहना है कि कछिया समुदाय के लोग उनके बाप-दादा के समय से यहां बसे हैं। ज्यादातर लोग एक ही समाज होने से एक-दूसरे के परिवार से अच्छी तरह से परिचित हैं। इसलिए जब एक युवक और एक युवती में प्यार हो जाता है, तो बड़े-बुजुर्ग एक परिवार की तरह बातचीत करते हैं और उनका प्रेम विवाह करते है। इस गली में आज तक प्रेम विवाह के दौरान दांपत्य जीवन में तलाक की नौबत नही आई है। सामान्य झगड़ा होने पर भी यहां बड़े-बुजुर्गों की मध्यस्थता से पति-पत्नी के बीच सुलह हो जाती है। आज के आधुनिक युग में प्यार सोशल मीडिया तक ही सीमित है, वहीं यह सड़क प्यार का प्रतीक बन गई है। जो सोशल मीडिया से दूर रहते हैं और अपने पार्टनर को हमेशा प्यार का एहसास कराते रहते हैं।

'शिक्षा का कल' विषय पर सेवानिवृत्त एवं नवनियुक्त प्राचार्यों के लिए दो दिवसीय सम्मान समारोह का आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद आचार्य संघ एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने संयुक्तरूप से पोइचा के नीलकंठ धाम में किया

अहमदाबाद आचार्य संघ एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के संयुक्त रूप से १२-१३ फरवरी को पोइचा के नीलकंठ धाम में 'शिक्षा का कल' विषय पर दो दिवसीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में शैक्षणिक अधिवेशन एवं सेवानिवृत्त एवं नवनियुक्त प्राचार्य का सम्मान के साथ अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी आर. एम. चौधरी, सनोसरा स्थित लोकभारती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विशाल भधानी, रेड एंड व्हाइट मल्टीमीडिया इंस्टीट्यूट के संस्थापक हसमुखभाई रफालिया और अन्य विशेषज्ञ द्वारा संवाद भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. विशाल भधानी ने कहा कि, शिक्षा पुस्तकालयों के दरवाजे की कुंजी है। राज्य में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के साथ, यह महत्वपूर्ण है कि आज के छात्र राष्ट्र निर्माण में समग्र शिक्षा से सुसज्जित हों। विद्यार्थियों की उचित एवं सुव्यवस्थित निर्माण यात्रा में उस विद्यालय के शिक्षक एवं प्रधानाचार्य की विशेष भूमिका होती है। उन्होंने व्यक्तिगत शिक्षा के महत्व, कौशल पर जोर,प्रौद्योगिकी उपयोग कौशल विकास, शैक्षिक मूल्यों के बारे में जानकारी साझा की थी।

कार्यक्रम में उपस्थित हसमुखभाई रफालिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भविष्य में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आने वाले आधुनिक परिवर्तनों की जानकारी के साथ एक पीपीटी प्रेजेंटेशन दिखाया। उन्होंने कहा कि कक्षा १०वीं और १२वीं पास करने के बाद छात्रों में करियर को लेकर असमंजस की स्थिति होना आम है। ट्रेंड और इंडस्ट्री को देखे तो आगामी भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, हार्डवेयर नेटवर्किंग, एआर/वीआर डेवलपमेंट, गेम टेक, २डी/३डी एनिमेशन के साथ-साथ अकाउंटिंग और एच.आर. है। हाल ही में आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात समिट' की घोषणाएं और राज्य एवं केंद्र सरकार की आई.टी. बजट का आवंटन और क्षेत्र में निवेश जो सरकार की विचारधारा को दर्शाता है। टेक्नो की बढ़ती गति आगामी सुधार इस क्षेत्र में छात्रों के लिए 'उत्कृष्ट अवसर' लाएंगे इसमें कोई संदेह नहीं।

'शिक्षा का कल' विषय पर आयोजित कार्यक्रम